mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-298 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
30 अक्टूबर 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

रोहित शर्मा ने तोड़ा...
@ पेज 7

मोन्था तूफान के चलते राजनाथ का छपरा दौरा रद्दः

दरभंगा में कहा- संसद में बना कानून कोई नहीं हटा सकता; आरजेडी ने बिहार को दुनिया में बदनाम किया

छपरा, सारण, एजेंसी। पटना के बाढ़ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, RJD और कांग्रेस के राज में विकास पर ब्रेक लग गया था। इस ब्रेक को अगर कोई तोड़ सकता है, तो वह केवल NDA सरकार ही है। हमें जंगलराज नहीं चाहिए, विकास चाहिए।

उन्होंने कहा, पहले एक नारा था- ना खाता न बही, जो लालू कहे वही सही। अब ये नहीं चलेगा। अगर एक भी बच्चे का अपहरण हो जाए तो हम उसको उल्टा कर देंगे। देश को बनाना हमारी जिम्मेदारी है। परिवार बनाने के लिए हम राजनीति नहीं करना चाहता।

बाढ़ के बाद राजनाथ सिंह छपरा जाने वाले थे, लेकिन मोन्था तूफान के चलते उनका कार्यक्रम रद्द हो गया है। इससे पहले राजनाथ ने दरभंगा के हायाघाट विधानसभा में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, राजद के लोगों ने किस तरीके से बिहार को केवल सारी दुनिया में बदनाम किया। क्या-क्या आरोप लगते हैं? जो यहां का मुख्यमंत्री रह चुका हो उसको सालों तक जेल की हवा खानी पड़ती है। क्या हर बिहारवासियों का इससे मस्तक नीचा नहीं होता? राजद के नेताओं ने जो कुछ भी किया कि आज पूरे परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। ये वेदना का विषय है, मनुष्य जीवन में सभी चीजों से समझौता कर सकता है, लेकिन मान-सम्मान स्वाभिमान से समझौता नहीं कर सकता है।

संसद का कानून कोई नहीं हटा सकता : राजनाथ सिंह ने कहा, बिहार सरकार ने माताओं-बहनों के लिए काफी काम किया है। हाल ही में 75 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपए दिए गए हैं। हमारी सरकार ने गरीबों, किसानों महिलाओं के लिए दरवाजा खोल दिया है। दो दिन पहले तेजस्वी यादव ने वक्फ बिल फाड़ने की धमकी दी थी। इसपर राजनाथ ने कहा, पीएम मोदी ने जब पैसे भेजे उन्होंने नहीं देखा कि ये मुस्लिम महिला है या मुस्लिम किसान है। उनके लिए सभी एक हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025

लालू जी, बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं : अमित शाह

दरभंगा में शाह बोले- नीतीश के रहते वैकेंसी नहीं; बेटे को सीएम बनाने के सपने देखते रहिए

बेगूसराय,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने दरभंगा के अलीनगर उसके बाद बेगूसराय में सभा की। दरभंगा के अलीनगर में अमित शाह बीजेपी कैंडिडेट्स मैथिली ठाकुर के समर्थन में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने राजद और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा, 25 साल की मैथिली ठाकुर को बिना किसी राजनीति बैकग्राउंड के हमने टिकट दिया है। कांग्रेस और राजद में ऐसा हो सकता है क्या।

उन्होंने कहा, ये लोग सिर्फ अपने परिवार के पीछे लगे हैं। आप बताइए जो अपने बेटे-बेटियों के पीछे लगे हैं। इनकी पार्टी में किसी और का नंबर लग सकता है क्या। ये सिर्फ बीजेपी में हो सकता है। सोनिया जी राहुल को प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं। लालू जी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। मैं दोनों को बताना चाहता हूं। दिल्ली में नरेंद्र मोदी और बिहार में नीतीश कुमार के रहते अभी कोई वैकेंसी खाली नहीं है।

मिथिला और सीता मंदिर पर बड़ा फोकसः उन्होंने मिथिला की संस्कृति (विद्यापति, शारदा सिन्हा) का सम्मान करने की बात कही और मखाना बोर्ड की स्थापना व मैथिली भाषा को 8वीं अनुसूची में डालने का श्रेय मोदी सरकार को दिया। सबसे बड़ी घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि 850 करोड़ से सीता मैया का भव्य मंदिर बनाया जाएगा और 500 करोड़ से दरभंगा में एक बड़ा सांस्कृतिक म्यूजियम बनाया जाएगा।

आरजेडी-कांग्रेस पर परिवारवाद और घोटाले का आरोपः शाह ने लालू प्रसाद यादव और सोनिया गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि लालू जी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया जी राहुल बाबा को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। उन्होंने RJD पर चारा घोटाला, लैंड फॉर जॉब स्कैम और कांग्रेस पर 12 लाख करोड़ के घोटाले करने का आरोप लगाया।

राम मंदिर, धारा 370 और PFI का जिक्रः शाह ने कहा कि 550 साल से रामलला टेंट में थे और कांग्रेस-ऋद्धृष्ठ ने मंदिर बनने नहीं दिया। उन्होंने मोदी सरकार को कश्मीर से धारा 370 हटाने और क्क्ष्नद्घ पर बैन लगाकर देश को सुरक्षित करने का श्रेय दिया।

दरभंगा के लिए विकास परियोजनाओं की गिनती- उन्होंने दरभंगा के लिए किए गए कामों और वादों को गिनाया, जिनमें दरभंगा एम्स (AIIMS), दरभंगा एयरपोर्ट, दरभंगा में मेट्रो, आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे और कोसी बाढ़ से मुक्ति के लिए पश्चिमी कोसी नहर परियोजना की बात कही।

योगी बोले- आरजेडी वाले राम मंदिर का विरोध कर रहे

ये औरंगजेब की मजार पर सजदा पढ़ेंगे

पटना/नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सीवान में सभा की। इस दौरान बुल्डोजर से उनका स्वागत किया गया। योगी ने कहा, यहां से RJD ने जो प्रत्याशी दिया है। वो देश-दुनिया में अपने आपराधिक प्रवृत्ति की वजह से जाना जाता है। शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा का जैसा नाम वैसा काम। यह कांग्रेस, आरजेडी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों को शोभा दे सकता है कि वे किसी पेशेवर अपराधी और माफिया को गले लगा कर किसी बाबर और किसी औरंगजेब की मजार में जाकर सजदा पढ़ेंगे। RJD के लोग आज भी राम मंदिर का विरोध कर रहे हैं। इधर, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दरभंगा की सभा में कहा लालू जी, बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है, बेटे को ष्टरूबनाने के सपने देखते रहिए। हृष्ठ सरकार ने मैथिली भाषा को आधिकारिक दर्जा दिया। संविधान का भाषा में अनुवाद किया। मिथिला में देवी सीता का मंदिर बनाया जा रहा है, उन्होंने जिन स्थानों का दौरा किया, वे सभी राम सर्किट से जुड़ेंगे। राहुल गांधी ने मुजफ्फरपुर में राजद के तेजस्वी यादव के साथ रैली की।

बारिश के बीच नीतीश की सभा, छाता लेकर पहुंचे लोग : नीतीश कुमार ने नालंदा के अस्थावां में एनडीए समर्थित जेडीयू के प्रत्याशी जितेंद्र कुमार के पक्ष में चुनावी जनसभा की। बारिश के बीच नीतीश की सभा में लोग छाता लेकर पहुंचे। नीतिश ने कहा, जब से हमारी सरकार बनी है 2005 में तब से आप लोगों के काम कर रहे हैं। केंद्र का सहयोग मिल रहा है। पहले वाला कुछ काम करता था जी। क्या हाल था। समाज में कितना विवाद होता था।

राहुल बोले-वोट के लिए स्टेज पर नाचने लगेंगे मोदी

मुजफ्फरपुर में कहा- नीतीश कुमार बीजेपी के कंट्रोल में हैं

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार (29 अक्टूबर) को मुजफ्फरपुर के सकरा में तेजस्वी यादव के साथ जनसभा की। अपने 25 मिनट के भाषण में उन्होंने पीएम मोदी और नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा।

राहुल गांधी ने लोगों से पूछा कि, आपका मूड कैसा है। मैं हिन्दुस्तान के जिस भी प्रदेश में जाता हूं। वहां मुझे बिहार के युवा मिलते हैं। मैं आपसे सवाल पूछना चाहता हूं। आपने दिल्ली बनाई। आपने बेंगलुरु की सड़कें बनाई।

आपने गुजरात में काम किया। खून पसीना बहाया। दुबई आपकी मेहनत से बना है। आप अलग-अलग प्रदेशों की मदद कर सकते हो तो फिर बिहार में आप ये काम क्यों नहीं कर पा रहे हो।

नीतीश कुमार बीजेपी के कंट्रोल में हैं : राहुल गांधी ने कहा कि, हम लोग वोट चोरी के खिलाफ हैं। 20 दिन हम बिहार के गांवों में घूमें। आपकी ऊर्जा देखने को मिली। आप किसी से कम नहीं हो। ये प्रदेश सबसे आगे जा सकता है और इसे आगे जाना ही पड़ेगा। नीतीश जी के चेहरे का प्रयोग हो रहा है। नीतीश जी रिमोट कंट्रोल से चलते हैं।

बीजेपी उन्हें कंट्रोल कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी को छठ पूजा से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें सिर्फ आपका वोट चाहिए। आप वोट के लिए उनसे कोई भी ड्रामा करवा लो वो कर देंगे। वोट के लिए उनसे कहिए स्टेज पर आकर डांस करें वो कर देंगे।

मोदी वोट के लिए ड्रामा करते हैं: नरेंद्र मोदी को छठ पूजा से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें सिर्फ आपका वोट चाहिए। आप वोट के लिए उनसे कोई भी ड्रामा करवा लो वो कर देंगे। वोट के लिए उनसे कहिए स्टेज पर आकर डांस करें वो कर देंगे।

नीतीश के स्वास्थ्य सवाल खड़े किए: नीतीश कुमार खुद कोई फैसला नहीं ले रहे हैं। वो रिमोट से चल रहे हैं। बीजेपी वाले उन्हें चला रहे हैं। दिल्ली से उन्हें कंट्रोल किया जा रहा है। उनके आसपास भी अपने लोग रखे जा रहे हैं।

तेजस्वी ने कहा- 20 साल पुरानी सरकार बदलनी है

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 20 साल पुरानी सरकार को बदलने का वक्त आ गया है। किसान भाई जानते हैं कि, एक ब्रांड की बीज खेत में डालने से फसल खराब हो जाती है। अब वक्त है नए ब्रांड का बीज डालने की। नीतीश कुमार 20 साल से बिहार के सीएम हैं। तेजस्वी यादव बेरोजगारी, महंगाई को हटाना चाहता है। बिहार सबसे गरीब राज्य है। यहां पलायन सबसे ज्यादा है। आप लोग एक मौका तेजस्वी को दीजिए, मैं बिहार बदलकर दिखाऊंगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि, पिछली बार भी हमलोग सकरा जीत गए थे, लेकिन काउंटिंग में धांधली की गई, लेकिन इस बार नहीं होने देंगे। पीएम मोदी गुजरात में फैक्ट्री लगाएंगे और वोट बिहार के लोगों से लेंगे। अब ये नहीं चलेगा। तेजस्वी की उम्र कच्ची है, लेकिन इरादे पक्के हैं।

केरल सीएम बोले- एसआईआर लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम/कोलकाता, एजेंसी। 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के चुनाव आयोग के ऐलान पर सियासी गर्मी बढ़ गई है। केरल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री इसके विरोध में खुलकर सामने आ गए हैं।

केरल के सीएम पिनराई विजयन ने मंगलवार को इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया। उन्होंने कहा- बिहार SIR की संवैधानिक वैधता सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन होने के बावजूद अन्य राज्यों में यह लागू करना उचित नहीं है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने SIR के खिलाफ एकजुट मोर्चे के लिए 2 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उनका मुख्य विरोध आधार को नागरिकता का प्रमाण नहीं मानने का है। उन्होंने कहा कि यह लाखों वास्तविक वोटर्स को वोटर लिस्ट से बाहर करने की साजिश है। चिंता जताई कि वे प्रवासी कामगार भी वोटर लिस्ट में जोड़े जाएंगे, जिनके पास आवश्यक दस्तावेज हैं। DMK इसका कानूनी और राजनीतिक दोनों स्तरों पर विरोध करेगी। दलों को डर है कि इस प्रक्रिया से वोटर डेमोग्राफी बदल सकती है, जो चुनाव परिणामों पर असर डाल सकती है।

राष्ट्रपति मुर्मू के साथ दिखीं ऑपरेशन सिंदूर की पायलट

पाकिस्तान ने स्क्वॉड्रन लीडर शिवांगी को पकड़ने का दावा किया था; राफेल में उड़ान भरने गई थीं मुर्मू

अंबाला, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार सुबह अंबाला एयरफोर्स स्टेशन से फाइटर प्लेन राफेल में उड़ान भरी। इस दौरान राष्ट्रपति की स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह के साथ एक फोटो भी सामने आई। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शिवांगी को पकड़ने का दावा किया था। पाकिस्तान मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया था कि शिवांगी युद्धबंदी हैं और उनका लड़ाकू विमान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मार गिराया गया। PIB ने 10 मई को फैक्ट चेक में पाकिस्तान के दावे को झूठा करार दिया था।

मुर्मू ने 40 मिनट उड़ान भरी : राफेल ने सुबह 11:10 बजे टेक ऑफ किया और 11:50 बजे लैंड किया। राष्ट्रपति जिस राफेल में बैठी थीं, उसे ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी ने उड़ाया। राष्ट्रपति के राफेल के पीछे एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने दूसरे एयरक्राफ्ट से उन्हें एस्कॉर्ट किया। राष्ट्रपति मुर्मू भारतीय वायु सेना के 2 फाइटर विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं। इससे पहले, 7 अप्रैल 2023 को उन्होंने असम के तेजपुर एयरफोर्स स्टेशन से सुखोई 30 MKI फाइटर जेट में उड़ान भरी थी।

तूफान मोन्था ओडिशा पहुंचा समुद्र में ऊंची लहरें उठ रहीं

हवा की रफ्तार 100kmph ; आंध्र प्रदेश में 5.30 घंटे लैंडफॉल चला ; 2 की मौत

नई दिल्ली/अमरावती/भुवनेश्वर, एजेंसी। चक्रवात मोन्था आंध्र प्रदेश के काकीनाडा के बाद बुधवार सुबह ओडिशा के गंजम में गोपालपुर बीच पर पहुंच गया है। गंजम के समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं और हवा की रफ्तार 80-100kmph पहुंच गई है। IMD के मुताबिक लैंडफॉल के बावजूद अगले 6 घंटों तक तूफान का असर रहेगा।

ओडिशा के 8 जिले गंजम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट, मलकानगिरी, कंधमाल, कालाहांडी और नबरंगपुर में मोन्था के चलते भारी बारिश और आंधी चल सकती है।

राज्य सरकार ने 11 हजार लोगों को निकाला है। 30 हजार लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाने की तैयारी है। ODRF की 30 टीम और NDRF की 5 टीमों को तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि तूफान मोन्था के कारण राज्य में दो लोगों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि एहतियाती उपायों से नुकसान कम हुआ है।

5.30 घंटे चला लैंडफॉल प्रोसेस : मंगलवार रात में चक्रवात आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम तट से टकराया था। मंगलवार शाम 7.30 बजे से देर रात लगभग 1 बजे तक लगभग 5.30 घंटे लैंडफॉल चला। इस दौरान 90-100kmph की रफ्तार से हवा चली थी, जो कि 110kmph पहुंच गई।

मछलीपट्टनम में कई जगह पेड़ गिरे, समुद्र किनारे के मकान ढह गए। कई इलाकों में बिजली के तार टूट गए और पोल गिर गए। शहर की बिजली व्यवस्था ठप हो गई। कोनासीमा में घर पर पेड़ गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत हुई। एक दूसरी घटना में 2 अन्य लोग घायल हो गए।

देश में 2031 में प्रति व्यक्ति आय 4.63 लाख होगी

● 2013 में 6 करोड़ परिवार सालाना 10 लाख कमा रहे थे, अब ऐसी 10 करोड़ फैमिली

मुंबई, एजेंसी। देश में प्रति व्यक्ति आय, खर्च कर सकने वाली आबादी और शहरीकरण उस मुकाम पर पहुंच रहा है, जहां से खपत तेजी से बढ़ती है। बहुराष्ट्रीय एसेट मैनेजमेंट कंपनी फ्रैंकलिन टेम्पलटन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल के आखिर तक भारत में सालाना 10 लाख कमाने वाले परिवार 10 करोड़ हो जाएंगे।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2013 में ऐसे परिवार 6 करोड़ थे। ये लोग कुल खपत का 40%हिस्सा संभालेंगे। इससे कार, मकान, एफएमसीजी प्रोडक्ट्स की बिक्री तेजी से बढ़ेगी। इसके अलावा, 2010-2024 के बीच प्रति व्यक्ति आय दोगुनी होकर सालाना 2.41 लाख हो गई। 2031 तक यह 4.63 लाख हो जाएगी। इससे लोग प्रीमियम सामान, पर्यटन और सेहत पर जरूरतों से ज्यादा खर्च करेंगे।

रिपोर्ट बताती है कि भारत अब आकांक्षा-प्रेरित अर्थव्यवस्था बन रहा है। इससे जीडीपी तेजी से बढ़ती है। 2024 से 2030 के बीच भारत की नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ 11% सीएजीआर की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है। तब तक भारतीय अर्थव्यवस्था 644 लाख करोड़ की हो जाएगी।

इसमें घरेलू खपत का हिस्सा 60% है। इससे अगले साल भारत तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बन सकता है। निजी खपत पहले ही 2024 में 185 लाख करोड़ से ज्यादा है, 2013 में 88 लाख करोड़ थी।

तरक्की के 3 प्रमुख इंडिकेटर्स

- **बचत और निवेश :** सितंबर 2025 में लोगों ने बचत के ?29,361 करोड़ एसआईपी में लगाए। 5 साल पहले यह इसी समय 10,351 करोड़ थे।
- **तेज शहरीकरण :** 2013 में शहरी आबादी 32% थी, अब 40% है। ग्रामीण इलाकों में प्रति व्यक्ति खर्च 2012 के 1,429 से बढ़कर 3,774 हो गया।
- **महंगी खरीदारी :** एफएमसीजी मार्केट में प्रीमियम प्रोडक्ट्स का हिस्सा 2024 में 30-35% हो गया। 2020 में यह 20% था। 2025 तक यह ?5 लाख करोड़ का बाजार होगा।

नागपुर में किसानों का प्रदर्शन, कई स्टेट हाईवे जाम किए; कर्ज माफ करने की मांग

एक दिन पहले 7 घंटे तक नागपुर-हैदराबाद हाईवे जाम किया था

नागपुर,एजेंसी। महाराष्ट्र के नागपुर में कर्ज माफी की मांग को लेकर किसानों के प्रदर्शन का आज दूसरा दिन है। यह प्रदर्शन प्रहार जनशक्ति पार्टी के नेता बच्चू कडू के नेतृत्व में हो रहा है। किसानों ने की स्टेट हाईवे को जाम किया है।

बच्चू कडू ने दावा किया कि प्रदर्शन में एक लाख किसान शामिल हो रहे हैं। इनमें महिलाएं भी होंगी। एक दिन पहले मंगलवार को हजारों किसान नागपुर-हैदराबाद हाईवे (NH-44) पर उतर आए थे। उन्होंने करीब 7 घंटे तक हाईवे जाम रखा था। किसानों की मांग है कि सरकार ने चुनावों के दौरान कर्ज माफी और फसल बोनस का वादा किया था, लेकिन अब तक किसी को राहत नहीं मिली।

अब जानिए क्यों हुआ आंदोलन : किसानों का आरोप है कि राज्य सरकार ने चुनाव से पहले कर्ज माफी और बोनस देने का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बच्चू कडू ने कहा कि 'सरकार ने हर फसल पर 20% बोनस और सोयाबीन पर 6000 देने की बात कही थी, पर अब तक किसानों को कुछ नहीं मिला। मुख्यमंत्री के पास किसानों से मिलने का समय तक नहीं है।' प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पिछले एक साल में सूखा और ओलावृष्टि से फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। इसके बावजूद, सरकार ने मुआवजे की प्रक्रिया में ढिलाई दिखाई है। कडू ने कहा, 'कर्ज में डूबे किसान आत्महत्या कर रहे हैं। जब तक पूरा कर्ज माफ नहीं किया जाता, हम यहां से नहीं हटेंगे।'

स्वाभिमानी पक्ष के नेता रवीकांत तुपकर ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार के पास हाईवे और मेट्रो प्रोजेक्ट्स के लिए पैसा है, लेकिन किसानों के लिए नहीं।

ग्रेनो : 100 से अधिक सोसाइटियों में तीन लाख लीटर पानी की हुई अतिरिक्त सप्लाई, पिछले साल के मुकाबले दो गुना

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेनो वेस्ट की सोसाइटियों में त्योहार के मौके पर हर साल पानी का संकट पैदा हो जाता है। इस वर्ष सोसाइटियों में पानी के संकट को खत्म करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से 100 से अधिक सोसाइटियों को प्रतिदिन तीन लाख लीटर अतिरिक्त पानी मुहैया कराया गया है। इससे सोसाइटियों में रहने वाले पांच लाख से अधिक लोगों को राहत मिली है। पिछले साल के मुकाबले इस साल सोसाइटियों में पानी की सप्लाई दोगुनी की गई है। पहले त्योहार के मौके पर एक से डेढ़ लाख लीटर पानी सोसाइटियों को दिया जाता था, लेकिन इतने पानी से सोसाइटियों के निवासियों की जरूरत पूरी नहीं हो पाती है। उनके सामने पानी का संकट खड़ा हो जाता था। जिससे उन्हें जूझना पड़ता था। निवासियों ने बताया कि त्योहार के मौके पर साफ सफाई से लेकर अन्य कई काम बढ़ जाते हैं। जिससे पानी की खपत बढ़ जाती है। पानी की सप्लाई खत्म हो जाने के कारण उन्हें बाहर से पानी मंगाना पड़ता था। कई बार तो सोसाइटियों में त्योहार के समय 50 से 150 तक टैंकर मेंटेनेंस की ओर से मंगाए जाते थे। जिसका बोझ उनके ऊपर ही पड़ता था। टैंकर के आने के बाद भी उन लोगों के घरों में पानी नहीं पहुंच पाता था, लेकिन इस बार पानी की समस्या बिल्कुल नहीं हुई। दिवाली से लेकर छठ पूजा तक पानी की सप्लाई बिल्कुल बाधित नहीं हुई और त्योहार मनाने में भी कोई बाधा नहीं आई। ऐस सिटी सोसाइटी में रहने वाले आलोक ने बताया कि हर साल पानी के लिए सोशल मीडिया से लेकर अन्य स्थानों पर आवाज उठानी पड़ती थी। इसके बाद भी जरूरत के हिसाब से पानी नहीं मिल पाता था। इस बार काफी अच्छी व्यवस्था रही। जिससे पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए किसी भी

निवासी को परेशान नहीं होना पड़ा। जल विभाग के अधिकारी नरेंद्र तिवारी ने बताया कि 18 से लेकर 28 अक्तूबर तक सेक्टर एक, चार, 16 ए, बी और सी के अलावा अन्य सेक्टरों में पड़ने वाली 100 से अधिक सोसाइटियों को तीन लाख लीटर पानी हर दिन अतिरिक्त दिया गया है। इसके साथ ही प्राधिकरण के नलकूप प्रतिदिन तीन से चार घंटे तक अतिरिक्त चलाए गए।

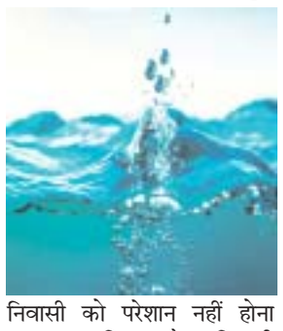

60 से अधिक घाटों को मिला पानी: जल विभाग के अधिकारी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में 50 से अधिक निजी छठ घाट बनाए गए थे। जिसमें पानी की व्यवस्था समिति की ओर से की जाती है, लेकिन इस बार उन्हें भी एक लाख लीटर से अधिक पानी मुहैया कराया गया है। उन्होंने बताया कि हर घाट पर कई दिन पानी दिया गया है, जिससे छठी व्रती महिलाएं भगवान भास्कर को पानी में खड़े होकर दोनों समय का अर्घ्य दे सकें।

इन सोसाइटियों में हुई सप्लाई : ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ऐस सिटी, अरिहंत ऑर्डन, इकोविलेज एक, दो,पंचशील हाइनिश, ऐस एस्पायर, ग्रीन आर्च, गौड़ सौंदर्यम, इकोविलेज तीन, निराला एस्टेट, अजनारा होम्स, गौड़ सिटी एक व दो की सोसाइटी, आस्था ग्रीन सोसाइटी, कासा ग्रींस, वैलेसिंया होम्स, एसकेए दिव्या टॉवर सहित कई सोसाइटियों में पानी की सप्लाई त्योहार के मौके पर की गई है।

उस्मानपुर इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, गोली लगने के बाद एक बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। एक बदमाश घायल हो गया, जिसे पकड़ लिया गया है। आरोपी बदमाश कई आपराधिक मामलों में शामिल है।

पुलिस के मुताबिक, न्यू उस्मानपुर के क्षेत्र में चेकिंग के दौरान लगभग 2:00 बजे पुलिस टीम ने बिजली घर के पास जीरो पुश्ता के पास बिना रजिस्ट्रेशन प्लेट वाली मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति को देखा। जब पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया तो उसने पिस्टल निकालकर पुलिस पर फायरिंग कर दी और भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसे चेतावनी दी और आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन उसने दोबारा फायर किया, उसकी गोली कांस्टेबल परमजीत की बीपी जैकेट पर लगी और वह बाल-बाल बच गए।। स्थिति को देखते हुए पुलिस टीम ने दो राउंड फायरिंग करके जवाबी कार्रवाई की, जिसमें से एक आरोपी के बाएं पैर में लगी, जिससे वह गिर गया और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरोपी न्यू उस्मानपुर थाने में धारा 309(4) 3(5) बीएनएस के तहत दर्ज एक मामले में वांछित था। वह पहले वेलकम थाने में दर्ज एक मामले में संलिप्त पाया गया था।

दिल्ली के जगतपुर गांव में तेंदुए की दहशत, डर में रात गुजर रहे लोग ; वन विभाग ने लगाया पिंजरा

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के जगतपुर गांव में एक बार फिर तेंदुए की तरफ से एक गाय के बच्चे को मारने की घटना सामने आई है। सोमवार दोपहर को गांव वालों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। यह गांव यमुना बायो डायवर्सिटी पार्क के निकट है। गांव में एक बार फिर वन विभाग ने चेतावनी जारी करने के साथ पिंजरा लगा दिया है। गांव में पहले भी तेंदुआ होने की आंशका जाहिर की जा चुकी है। ऐसे में इलाके के लोग तेंदुएं की दहशत में रात गुजर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब गांव के लोग अपने पशु लेकर खेत में गए तो उन्होंने वहां एक लहूलुहान गाय की मृत बछिया देखी। खेत में तेंदुए के पांव के निशान व गोवंश को घसीटे जाने के निशान पाए गए। मंगलवार को वन विभाग की टीम भी मौके पर गई और पद चिह्न आदि के जांच के लिए चित्र लिए हैं। वन विभाग ने इससे पहले भी यहां तेंदुआ होने की आंशका को लेकर मॉनिटरिंग की थी। पहले भी यहां तेंदुए के पदचिह्न दिखाई दिए थे उसके बाद यहां पिंजरा लगाया था लेकिन कभी तेंदुआ पकड़ में नहीं आया।

त्योहार और व्यापार : छठ पर देशभर में कारोबार 50 हजार करोड़ के पार, स्वदेशी ने बढ़ाई स्थानीय बाजारों की रौनक

दिल्ली, एजेंसी। छठ महापर्व ने इस बार देश में आस्था, परंपरा और आर्थिक गतिविधियों का अभूतपूर्व संगम रचा। देशभर में छठ पर 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अध्ययन में यह दावा किया गया है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में भी धूमधाम से छठ मनाई। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के आह्वान और जीएसटी दरों में कटौती से उत्सव की खरीदारी बढ़ोत्तरी हुई। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि दिल्ली में लगभग 8 हजार करोड़, बिहार में 15 हजार करोड़ और झारखंड में 5 हजार करोड़ रुपये का व्यापार हुआ।

छठ पर्व से जुड़े उत्पादों केला, गन्ना, नारियल, मौसमी फल, गुड़, चावल और अनाज की भारी मांग रही। पूजा सामग्री में मिट्टी के दीये, बांस और केले की टोकरी, पत्तल, फूल और पैकिंग सामग्री की बिक्री में भी कई गुना बढ़ोतरी हुई। प्रसाद में ठेकुआ और पारंपरिक मिठाइयों के निर्माण ने लाखों परिवारों को रोजगार दिया।

स्वदेशी छठ अभियान से भी बाजार को मिला बल: प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि ÷स्वदेशी छठ अभियान÷ से भी बाजारों को बल मिला। इसके तहत स्थानीय कारीगरों, मिट्टी के बर्तन बनाने वालों, बाँस-टोकरी निर्माताओं और गुड़ उत्पादकों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इससे ग्रामीण और हस्तशिल्प आधारित अर्थव्यवस्था को बड़ा प्रोत्साहन मिला। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के राज्यों में भी प्रवासी समुदायों ने स्थानीय बाजारों में उत्सव की रौनक बढ़ाई।

दिल्ली : अवैध रूप से रह रहे नाइजीरियाई नागरिक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दक्षिण पश्चिम पालम गांव पुलिस चौकी की सतर्क टीम ने एक अवैध नाइजीरियाई प्रवासी को गिरफ्तार किया। वह पिछले सात वर्षों से बिना वैध वीजा दस्तावेजों के भारत में रह रहा था। पुलिस ने सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, एफआरआरओ नई दिल्ली की मदद से उसे वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान नाइजीरिया निवासी इमैनुएल ओगुगुआ (43) के रूप में हुई है। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस ने बताया कि अपराध रोकथाम और अवैध रूप से रह रहे विदेशियों पर निगरानी के लिए विशेष टीमें गठित की गई थीं। इन्हें खुफिया जानकारी जुटाकर ऐसे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इस अभियान के तहत इंस्पेक्टर सुधीर कुमार गुलिया के नेतृत्व और एसीपी अनिल कुमार की देखरेख में एएसआई वीरेंद्र, एचसी संदीप कुमार, एचसी कृष्ण कुमार और कांस्टेबल कमलेश की टीम सक्रिय की गई। जांच के दौरान टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नाइजीरियाई नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे हैं। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ की। दस्तावेज मांगने पर वह वैध वीजा नहीं दिखा पाया था। इसके बाद में नाइजीरियाई दूतावास से सत्यापन करने पर सही जानकारी प्राप्त की गई। नाइजीरियाई दूतावास से जानकारी मिली कि इसका वीजा कई वर्ष पहले समाप्त हो चुका था और उसने उसका नवीनीकरण नहीं कराया था।

दिल्ली की प्यास पर कचरे का साया, मुनक नहर बन रही जहर की धारा; हर दिन बढ़ रहा है प्रदूषण

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी को रोजाना हजारों लीटर साफ पानी पहुंचाने वाली मुनक नहर का पानी गंदगी की भेंट चढ़ रहा है। खुले में शौच, सड़कों पर बिखरा कचरा, फैक्टरियों का जहरीला पानी और यहां तक कि लावारिस जानवर मिलकर नहर को इतना गंदा कर रहे हैं कि शहर के पेयजल पर संकट खड़ा हो गया है। नई रिपोर्ट में चेताया गया है कि अगर जल्द कदम नहीं उठाए गए तो जल शुद्धिकरण प्लांट भी इस पानी को साफ नहीं कर पाएंगे। साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रिवर्स एंड पीपल (सैंड्रप) ने अपनी हालिया रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, 25 अक्तूबर को नहर का जायजा लेने वाली टीम ने हरियाणा से उत्तर-पश्चिम दिल्ली तक फैली इस नहर पर भयानक हालात देखे। रिपोर्ट में फोटो और जगह के

नक्शे के साथ सबूत दिए गए हैं, जो रविवार को दिल्ली सरकार, प्रदूषण अधिकारी और जल-स्वास्थ्य मंत्रियों को सौंप दिए गए।

मुनक नहर यमुना का एक हिस्सा है, जो 2003-2012 के बीच बनी। यह दो मुख्य नहरों कैरियर लाइन चैनल (सीएलसी) और दिल्ली सब ब्रांच (डीएसबी) के जरिये रोज 1,000 क्यूसेक से ज्यादा पानी दिल्ली लाती है। रखरखाव की के अभाव में यह शहर की जल आपूर्ति का दुश्मन बन गई है। सैंड्रप के सह-समन्वयक भीम सिंह रावत ने बताया कि कई जगहों से गंदगी आ रही है, जो सीधे पीने के पानी में घुल रही है। शुद्धिकरण प्लांट भी इस दूषित पानी को पूरी तरह साफ नहीं कर पाते हैं। ऐसे में लोग बीमार पड़ सकते हैं। रिपोर्ट में नहर से थोड़ी दूरी पर कचरा संग्रहण केंद्र बनाने की भी सिफारिश की गई है, ताकि लोग सीधे पानी में कचरा न डालें।

बवाना में सबसे बुरा हाल: बवाना के पास पुलों के नीचे %%बहुत ज्यादा गंदगी मिली। यहां पूजा का सामान, प्लास्टिक और कचरे के ढेर नहर में गिर रहे हैं। झुग्गी-झोपड़ियों के पास लोग कचरा अलग कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन पर बढ़ा शटडाउन खत्म करने का दबाव उपराष्ट्रपति वेंस बोले- सैनिकों का वेतन दिया जाएगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बीते कई दिनों से जारी शटडाउन के चलते अब सरकार और कांग्रेस पर दबाव बढ़ रहा है। अमेरिकी सेना के जवानों का वेतन भी अटक गया है। हालांकि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने साफ किया है कि इस सप्ताह के अंत तक सैन्यकर्मियों का वेतन मिल जाएगा। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि सरकार पैसों का इंतजाम कैसे करेगी। अमेरिका में जारी शटडाउन लगातार गंभीर होता जा रहा है और अब लाखों अमेरिकियों के सामने खाद्य संकट पैदा हो गया है क्योंकि सरकार द्वारा दी जाने वाली खाद्य सहायता बंद हो सकती है।

कांग्रेस में शटडाउन खत्म करने के लिए नहीं बन पा रही सहमति: अमेरिका में शटडाउन के चलते कई संघीय कर्मचारियों को पूरा वेतन नहीं मिल पा रहा है। कैपिटल में सीनेट रिपब्लिकन के साथ दोपहर के भोजन के बाद वेंस ने संवाददाताओं से कहा, हमें लगता है कि हम सैनिकों को वेतन देना जारी रख सकते हैं, कम से कम अभी के लिए। हम

यथासंभव अधिक से अधिक लाभ जारी रखने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हमें बस डेमोक्रेट्स की मदद की जरूरत है। सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी को अस्थायी धन का इस्तेमाल करने के लिए डेमोक्रेट्स के समर्थन की जरूरत है, लेकिन करीब एक महीना बीतने के बाद भी गतिरोध समाप्त नहीं हो सका है।

संघीय कर्मचारी संघ ने की अपील: अमेरिका के सबसे बड़े संघीय कर्मचारी संघ ने सरकार और विपक्ष से अपील की है कि शटडाउन को खत्म करने के लिए तुरंत उपाय किए जाएं। संघ ने कांग्रेस से तुरंत एक वित्त पोषण विधेयक पारित करने और कर्मचारियों को पूरा वेतन सुनिश्चित करने की अपील की। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज के अध्यक्ष एवरेट केली ने कहा कि अब समय आ गया है कि एक स्पष्ट प्रस्ताव पारित किया जाए और आज ही इस शटडाउन को समाप्त किया जाए। कोई आधा-अधूरा उपाय नहीं, और कोई चालाकी नहीं।

सैन्य कर्मियों को वेतन देना सरकार के लिए चुनौती: अमेरिका के 13 लाख सक्रिय सैन्य कर्मियों को वेतन मिलना मुश्किल हो गया है। इस महीने की शुरुआत में ट्रंप प्रशासन ने सैन्य अनुसंधान और विकास निधि से 8 अरब डॉलर निकालकर सैन्यकर्मियों को वेतन दिया। वेंस ने मंगलवार को यह नहीं बताया कि इस बार रक्षा विभाग सैनिकों के वेतन का भुगतान कैसे करेगा। इससे भी बड़ी बात यह है कि ट्रंप प्रशासन का कहना है कि खाद्य सहायता कार्यक्रम के लिए धन शुक्रवार को समाप्त हो जाएगा, जिस पर 4.2 करोड़ अमेरिकी अपने किराने के बिलों के भुगतान के लिए निर्भर हैं।

हम तय करेंगे कि आईएइए के निरीक्षक ईरान कब आएंगे : अराघची

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने साफ किया है कि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएइए) के निरीक्षकों की देश में मौजूदगी ईरान की संसद के कानून तय करेंगे।

अराघची ने यह टिप्पणी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति समिति के सदस्यों के साथ एक बैठक में भाग लेते समय की। बैठक में उनसे पूछा गया था कि आईएइए के निरीक्षकों को ईरान का दौरा करने की अनुमति क्यों दी गई

अराघची ने कहा, ÷कानून के तहत, परमाणु स्थलों तक पहुँच की किसी भी माँग को ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इसके बाद ही इस बाबत अनुमति देने या ना देने के बारे में फैसला लिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में, निरीक्षकों को केवल बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में ईंधन प्रतिस्थापन प्रक्रिया और तेहरान अनुसंधान परमाणु रिएक्टर का निरीक्षण करने की अनुमति दी गई थी। ईरान द्वारा आईएइए के साथ सहयोग निलंबित करने के बाद से संयुक्त राष्ट्र संस्था ने अपने निरीक्षकों को वहां से हटा लिया था। इस बीच, विदेश मंत्री ने बैठक में यह भी कहा कि उनके मंत्रालय के एजेंडे में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों को बेअसर करना और उनसे बचना भी शामिल है। उन्होंने दोहराया कि तेहरान 2015 के ईरान परमाणु समझौते से पीछे नहीं हटा है क्योंकि यह समझौता ईरान के यूरेनियम संवर्धन के अधिकार को मान्यता देता है और इस समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि इसके कुछ प्रावधान देश हित में हैं।

कुफरी में घोड़ों की सवारी पर एनजीटी की लगाम, अधिकरण ने जंगल बचाने के लिए बनाई है नई योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों में पर्यटन का मजा लेने वाले पर्यटकों की अब घोड़ों की सवारी पर ब्रेक लग सकता है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने शिमला के कुफरी क्षेत्र में घोड़ों के बेतहाशा इस्तेमाल से पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर बड़ा फैसला सुनाया है। लगभग 1000 से ज्यादा घोड़ों की भीड़ से जंगल, पेड़ और हवा-पानी सब बर्बाद हो रहा था, अब घोड़ों की संख्या सिर्फ 293 प्रतिदिन तक सीमित रहेगी। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेष सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि इलाके में अब पर्यटकों की संख्या भी 2232 प्रतिदिन से ज्यादा नहीं होगी। अदालत ने अपने आदेश में हिमाचल सरकार को तीन महीने के अंदर सख्त दिशा-निर्देश बनाने का हुक्म दिया है। मामला शैलेंद्र कुमार यादव की याचिका से जुड़ा है, जिसमें पर्यावरणविदों ने घोड़ों के अनियंत्रित संचालन से वनस्पति, जड़ों और पारिस्थितिकी को हो रहे नुकसान की शिकायत की थी। कुफरी के 8-10 वर्ग किलोमीटर इलाके में 700-800 घोड़े बिना किसी प्लानिंग के घूमते थे, जिससे पेड़ सूख रहे थे, घास नष्ट हो रही थी और बर्फबारी तक कम हो गई थी। यह कदम जंगलों को बचाने और वैज्ञानिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है।

क्या कहती है जांच? एनजीटी ने मार्च, 2023 से कई समितियां गठित कीं। ऐसे में दिसंबर, 2023 की रिपोर्ट में पाया गया कि 1029 घोड़े पंजीकृत हैं, लेकिन इलाके की वहन क्षमता सिर्फ 217 घोड़ों की है। इसके अलावा, पानी के सैंपल में मल के फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिले, जंगल में आक्रामक घासें (वनस्पति नष्ट व आक्रामक प्रजातियां) फैल गईं और घोड़ों के गोबर से प्रदूषण बढ़ा। जुलाई, 2025 की अंतिम रिपोर्ट में वैज्ञानिक तरीके (सिफुएंटेस फॉर्मूला) से घोड़ों की सीमा 293 और महासू पीक पर पर्यटकों की 2232 तय की गई है।

गोबर का होगा प्रबंधन: सयुंक्त समिति ने अपनी रिपोर्ट में घोड़ों के गोबर का खास प्रबंधन बताया है। सालाना 400-500 टन गोबर निकलता है, जो पर्यावरण को जहरीला बना रहा था। अब इसे दो चरणों में साफ किया जाएगा। पहले सुखाकर अपघटित करना (1.5-2 महीने), फिर वर्मी-कम्पोस्टिंग (2.5-3 महीने)। कुल खर्च सिर्फ 79,000 रुपये सालाना (16 रुपये प्रति किलो) होगा। यह सबसे सस्ता और पर्यावरण-अनुकूल तरीका है। दूसरा विकल्प (ड्रायर या ब्रिकेटिंग) महंगा (42 रुपये/किलो) और प्रदूषण फैलाने वाला माना गया। एनजीटी अध्यक्ष ने रिपोर्ट को मंजूर कर लिया।

पर्यटन पर पड़ेगा असर: कुफरी हिमाचल का पॉपुलर पर्यटन स्पॉट है। यहां सर्दियों में बर्फबारी का मजा लेने हजारों लोग आते हैं। लेकिन, बिना प्लानिंग के घोड़ों का इस्तेमाल जंगलों को खत्म कर रहा था। अब वैज्ञानिक तरीके से पर्यटन चलेगा, जिससे नेचर भी बचेगा और टूरिस्ट को सेफ सवारी मिलेगी।

जमैका में कैटेगरी 5 के तूफान मेलिसा का कहर

300 किमी प्रति घंटे की रफ्तार ने ली 7 की जान

जमैका, एजेंसी। कैटेगरी-5 के तूफान मेलिसा ने मंगलवार को जमैका में दस्तक दी। जमैका में आए मेलिसा को इस सदी का सबसे भयानक और शक्तिशाली तूफान बताया जा रहा है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया है कि अब तक 7 लोगों की मौत हो गई है। सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर श्रेणी 5 का यह तूफान मंगलवार को जमैका के दक्षिण-पश्चिमी तट पर पहुंचा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उत्तरी कैरेबियन में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने मंगलवार को कहा कि इस साल दुनिया में आया सबसे शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय चक्रवात, तूफान मेलिसा, जमैका पर इस सदी का सबसे भीषण तूफानी प्रभाव डाल सकता है।

डब्ल्यूएमओ ने लगभग 300 किमी/घंटा की तेज रफ्तार वाली जानलेवा हवाओं, विनाशकारी तूफानी लहरों और बारिश की चेतावनी दी है। डब्ल्यूएमओ एजेंसी ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि जमैका और कैरेबियन में लाखों लोग प्रभावित हो सकते हैं। डब्ल्यूएमओ की उष्णकटिबंधीय चक्रवात विशेषज्ञ ऐनी-क्लेयर फॉन्टन ने संयुक्त राष्ट्र की एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि 1988 में आए तूफान गिल्बर्ट के बाद से जमैका में इतना शक्तिशाली तूफान नहीं आया है। उन्होंने कहा कि मेलिसा क्यूबा, बहामास, हैती और डोमिनिकन गणराज्य को भी प्रभावित करेगा। इसकी वजह से भारी बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। फॉन्टन ने आगे कहा कि यह तूफान जमैका में बरसात के महीने में होने वाली सामान्य वर्षा से तीन गुना ज्यादा, संभवतः 700 मिलीमीटर तक लाएगा। अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस के अंग्रेजी और डच भाषी कैरिबियन प्रतिनिधिमंडल के क्षेत्रीय प्रमुख नेसेफोर मघेंडी ने कहा कि लगभग 15 लाख लोग सीधे तौर पर प्रभावित हो सकते हैं और जमैका की पूरी आबादी किसी न किसी तरह से प्रभावित होगी। बता दें, तटीय समुदाय पहले से ही पिछले तूफानों से तनाव में थे। ऐसे में मघेंडी ने चेतावनी दी कि इस बार की बारिश कई दिनों या हफ्तों तक आवश्यक सेवाओं को बाधित कर सकती है। उन्होंने कहा, मानवीय खतरा गंभीर और तात्कालिक है।

गाजा में हमास के ठिकानों पर इजराइल ने की बमबारी, 33 मारे गए

गाजा पट्टी, एजेंसी। गाजा में कल एक इजराइली रिजर्व सैनिक की हत्या के बाद हवा में बारूदी गंध घुल गई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने इस हत्या का दोषी आतंकवादी समूह हमास को ठहराते हुए उसके खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। आईडीएफ के ताजा हवाई हमले में कम से कम 33 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। यह हमले गाजा सिटी, बेत लाहिया, अल-बुरेज, नुसेरात और खान यूनिस आदि क्षेत्रों में किए गए। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी में हमास संचालित नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने दावा किया है कि इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 33 फिलिस्तीनी मारे गए। हमास ने दावा किया कि सैनिक की हत्या से उसका कोई लेना-देना नहीं है। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौता को मानने के लिए प्रतिबद्ध है। एजेंसी के प्रवक्ता महमूद बसल ने कहा कि हमारे दल अभी भी मलबे के नीचे से मृतकों और घायलों को निकाल रहे हैं। इस घटनाक्रम पर ट्रंप ने कहा कि कुछ भी हो जाए युद्धविराम को कोई खतरा नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर इजराइल के सैनिकों को निशाना बनाया जाता है तो उसे जवाबी हमला करने का अधिकार है। इससे पहले मंगलवार दोपहर रिजर्व सैनिक की हत्या की खबर आने के बाद शाम को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक संक्षिप्त बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री ने सेना को जबरदस्त हमले करने का आदेश दिया है। इस बयान से पहले रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज ने कहा कि हमास ने मंगलवार को गाजा में इजराइली सैनिकों पर हमला करके लाल रेखा पार कर ली। उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। एक इजराइली सैन्य अधिकारी ने कहा कि हमास का हमला येलो लाइन के पूर्व में हुआ। यह रेखा युद्धविराम समझौते के तहत गाजा के अंदर इजराइली नियंत्रित क्षेत्र को चिह्नित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी गाजा के शहर राफाह में सैनिकों पर मंगलवार दोपहर मिसाइलें दागी गईं। अल जजीरा टीवी चैनल ने चिकित्सा सूत्रों के हवाले से इजराइली सेना के हमले में कम से कम 63 लोगों के मारे जाने का दावा किया है। चैनल के अनुसार इनमें 24 बच्चे भी शामिल हैं। अक्टूबर 2023 में शुरू हुए गाजा पर इजराइल के हमले में कम से कम 68,527 लोग मारे गए हैं और 170,395 घायल हुए हैं। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमलों के दौरान इजराइल में कुल 1,139 लोग मारे गए और लगभग 200 लोगों को बंधक बना लिया गया। द फिलिस्तीन क्रॉनिकल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा शहर के पश्चिम में स्थित सबरा , दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के उत्तर-पश्चिम में हुए हमले सात लोग मारे गे हैं। गाजा आपातकालीन सेवाओं ने बम विस्फोटों में अनेक लोगों के हताहत होने की सूचना दी है। अल-अवदा अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि मध्य गाजा में नुसेरात शरणार्थी शिविर के दक्षिण में एक शरणार्थी तंबू पर हुए हमले में हताहत हुए।

बस खाई में गिरने से बची, पेड़ में अटकी

29 यात्री सुरक्षित, छुहिया घाटी ढलान पर हादसा; 5 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की छुहिया घाटी में बुधवार सुबह एक बड़ा बस हादसा टल गया। रीवा से रामपुर जा रही एक यात्री बस बेकाबू होकर खाई में गिरने से बाल-बाल बची। बस में सवार 29 यात्रियों की जान बच गई, जबकि पांच लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

तिवारी कंपनी की यह बस तेज रफ्तार में ढलान पर थी, तभी चालक का नियंत्रण बिगड़ गया। बस खाई की ओर लुढ़कने लगी, लेकिन सड़क किनारे खड़े एक सागवान के पेड़ से टकराकर रुक गई। ग्रामीणों और अधिकारियों ने बताया कि पेड़ न होता तो बस गहरी खाई में गिर सकती थी, जिससे बड़ा जनहानि हो सकती थी।

सागवान के पेड़ में अटकी बस: ग्रामीण शैलेंद्र ठाकुर ने बताया कि बस की स्पीड बहुत तेज थी। ढलान पर मोड़ के पास चालक का नियंत्रण बिगड़ा और बस आधे से अधिक खाई की ओर झुक गई। तभी सागवान का पेड़ आड़े आ गया और बस उसी में अटक गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। 108 एंबुलेंस की मदद से पांच घायलों को गोविंदगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

स्वास्थ्य अधिकारी राघवेंद्र मिश्रा के अनुसार, घायलों को सिर और आंख में मामूली चोटें आई हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है। रामपुर नैकिन थाना प्रभारी निरीक्षक सुधांशु तिवारी ने बताया कि बस बेकाबू होकर सड़क किनारे झुक गई थी। चालक ने समय रहते ब्रेक लगाकर बड़ी दुर्घटना होने से बचा लिया। सभी यात्री सुरक्षित हैं और चालक को भविष्य में सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है।

एनसीएल निगाही परियोजना में डोजर डूबा, एक माह में दूसरी घटना; सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) की निगाही परियोजना में एक बार फिर लापरवाही सामने आई है। सोमवार दोपहर करीब 3:45 बजे परियोजना के बेस्ट क्षेत्र स्थित तुर्रा फेस पर करोड़ों की कीमत वाला एक डोजर मशीन (क्रमांक 30586) पानी में डूब गया। इस घटना से मशीन का इंजन और ट्रांसमिशन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। यह एक माह के भीतर इसी परियोजना क्षेत्र में हुई दूसरी ऐसी घटना है। इससे पहले भी एक अन्य डोजर पानी में डूब गया था, जिसकी मरम्मत का कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सका है। लगातार हो रही इन घटनाओं ने एनसीएल प्रबंधन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार, घटना के बाद परियोजना प्रबंधन ने संबंधित कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। डोजर को पानी से बाहर निकालने में एनसीएल की टीम को कई घंटे लगे, जिससे समय और संसाधनों की बर्बादी हुई। बताया जा रहा है कि जिस क्षेत्र में यह हादसा हुआ, वहां बारिश के कारण जलभराव था, इसके बावजूद कार्य जारी रखा गया।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि एनसीएल प्रबंधन प्रतिदिन सेफ्टी टॉक आयोजित करने का दावा करता है, लेकिन ये अब केवल औपचारिकता बनकर रह गई हैं। लगातार हो रही दुर्घटनाएं सुरक्षा उपायों की अनदेखी की पुष्टि करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को बार-बार करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है।

इस संबंध में, एनसीएल के जनसंपर्क अधिकारी रामविजय सिंह ने बताया कि मामला अभी मुख्यालय के संज्ञान में नहीं आया है और वे जानकारी जुटा रहे हैं। इन लगातार हो रही चूकों के लिए कौन जिम्मेदार है और एनसीएल प्रबंधन अपनी सुरक्षा नीतियों को कब प्रभावी ढंग से लागू करेगा, यह एक बड़ा सवाल बना हुआ है।

मुख्य सचिव बनकर की कलेक्टर को फर्जी कॉल,सिंगरौली कलेक्टर से दो व्यक्तियों का काम करवाने को कहा; दो आरोपी पकड़ाए

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में मुख्य सचिव बनकर कलेक्टर को फर्जी कॉल करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कलेक्टर गौरव बेनल ने इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा किया है।

सरकारी मोबाइल नंबर से आया फोन: कलेक्टर गौरव बेनल ने बताया कि, शुक्रवार को उनके सरकारी मोबाइल नंबर पर एक मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले ने खुद को मध्य प्रदेश सरकार का मुख्य सचिव बताया और दो व्यक्तियों का काम करवाने को कहा। मैसेज की भाषा शैली पर संदेह होने के कारण कलेक्टर को फर्जीवाड़े की आशंका हुई। कलेक्टर बेनल ने तत्काल एसपी मनीष खत्री से संपर्क कर उन्हें पूरी जानकारी दी। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर से बात कर मिलने का तय किया समय: अगले दिन शनिवार को उसी नंबर से कलेक्टर को फिर फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि दो लोग सोमवार को उनसे मिलेंगे और उनका काम देखने को कहा। फर्जीवाड़े की पूरी मंशा जानने के लिए कलेक्टर ने बातचीत में सहयोग किया और मुलाकात का समय तय कर दिया।

मिलने के लिए पहुंचे दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार: निर्धारित समय से पहले कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट परिसर में पुलिस टीम तैनात कर दी थी। जैसे ही दोनों व्यक्ति मुलाकात के लिए पहुंचे, पुलिस ने उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उनकी पहचान सचिंद्र तिवारी और वाल्मीकि प्रसाद मिश्रा के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। कलेक्टर गौरव बेनल ने जिले के नागरिकों से ऐसे फर्जी फोन कॉल्स या संदेशों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने सलाह दी कि किसी भी उच्च अधिकारी या संवैधानिक पदाधिकारी के नाम से आए फोन या संदेश पर भरोसा करने से पहले उसका पूरी तरह सत्यापन कर लें, ताकि ठगी या धोखाधड़ी का शिकार होने से बचा जा सके। सिंगरौली पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य संभावित व्यक्तियों की तलाश कर रही है।

नवोदय विद्यालय चुरहट के शिक्षकों ने दिव्यांग छात्रों के बीच बांटे कंबल और चॉकलेट

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। पी.एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी के निर्देशन में समाजसेवा के तहत दिव्यांग छात्रावास मधुरी, सीधी में एक संवेदनशील पहल की गई। विद्यालय के उप प्राचार्य सुबोध कुमार तिवारी और पीजीटी (हिंदी) सुधीर सरोज ने दिव्यांग विद्यार्थियों को कंबल, चादर और चॉकलेट वितरित किए। इस दौरान बच्चों ने मनमोहक गीत प्रस्तुत किए और खुशी जाहिर की।

कार्यक्रम में विपिन त्रिपाठी, कौशल किशोर राजपूत एवं छात्रावास स्टाफ ने सहयोग किया। यह पहल समाज में सेवा और मानवीयता का प्रेरक उदाहरण बनी।

अवैध खनन पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन तथा जिला खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु सघन अभियान लगातार चलाया जा रहा है। प्रभारी खनि निरीक्षक देवेंद्र महोबे एवं शिशिर यादव के नेतृत्व में की जा रही कार्रवाई के दौरान दिनांक 09 सितम्बर 2025 से 29 अक्टूबर तक क्षेत्र भ्रमण एवं जांच के दौरान कुल 22 वाहन एवं मशीनें जप्त की गई हैं, जिनमें 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली मुरूम, 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत, 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली गिट्टी, 2 हाईवा रेत, 6 ट्रक कोयला, 4 डंपर रेत तथा 2 जेसीबी मशीन मुरूम शामिल हैं।

खनिज विभाग द्वारा इन सभी प्रकरणों में कुल रूपये 11,92,394 (ग्यारह लाख बान्नवे हजार तीन सौ चौरानवे रुपये मात्र) का अर्थदंड प्रस्तावित करते हुए प्रकरण कलेक्टर जिला सीधी के समक्ष प्रस्तुत किए गए। इनमें से 14 प्रकरणों में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सीधी द्वारा मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए उक्त राशि अधिरोपित कर वसूल की गई है, जिसे शासकीय कोष में जमा कराया गया है। शेष प्रकरणों में कार्रवाई माननीय न्यायालय कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रचलनशील है। खनिज विभाग द्वारा बताया गया कि जिले के विभिन्न स्थलों से खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की प्राप्त शिकायतों पर निरंतर नजर रखी जा रही है। ऐसे स्थानों पर छापामार कार्यवाही आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि अवैध खनन पर पूर्ण रूप से नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

संयुक्त किसान मोर्चा ने सिरमौर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। संयुक्त किसान मोर्चा ने किसान संघर्ष समिति सिरमौर ब्लॉक के अध्यक्ष गोविंद तिवारी की अध्यक्षता में किसानों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित अनुविभागीय अधिकारी सिरमौर को सौंपा है। ज्ञापन में किसानों ने खाद, आवारा पशु समस्या, आंधी-बारिश से धान सहित खरीफ की फसलों को हुए नुकसान, बिजली समस्या, कर्ज माफी आदि मुद्दों पर अपनी मांगें रखी हैं। मोर्चे का कहना है कि सरकार किसानों की समस्याओं को लेकर चिंतित नहीं है। किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने मांगों का त्वरित निराकरण नहीं किया, तो मोर्चा बड़ा आंदोलन चलाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। ज्ञापन सौंपने से पहले किसानों ने धरना भी दिया।

कार्यक्रम का संचालन किसान नेता लालमणि सिंह परिहार द्वारा किया गया। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने के दौरान अखिल भारतीय किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष गया प्रसाद मिश्रा, किसान संघर्ष समिति के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू, किसान सभा के महासचिव रामजीत सिंह, राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के नेता भक्त प्रहलाद कुशवाहा, किसान संघर्ष समिति के प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल, संभागीय संयोजक पुष्पेंद्र सिंह, एडवोकेट जिला अध्यक्ष फौजी यदुवंश प्रताप सिंह, जिला सचिव अनिल मिश्रा, मोर्चे के नेता रामनरेश सिंह, राजबहोरन सिंह सहित कई अन्य किसान साथी उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति कार्य में लापरवाही पर होगी कार्रवाई, 30 अक्टूबर तक पूर्ण करें कार्य

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी दी कि दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा समेकित छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 हेतु एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर छात्र प्रोफाइल अपडेशन एवं छात्रवृत्ति स्वीकृति कार्य की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिले की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी एवं असंतोषजनक पाई गई, जिस पर आयुक्त महोदय ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों को 30 अक्टूबर 2025 तक शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रोफाइल अपडेशन एवं छात्रवृत्ति स्वीकृति की कार्यवाही पूर्ण नहीं की गई, तो संबंधित एईओ एवं संस्था प्रमुखों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की

पीएचडी परीक्षा परिणाम में धांधली को लेकर विश्वविद्यालय में एनएसयूआई का प्रदर्शन, पुलिस ने भांजी लाठियाँ और चला वाटर कैनन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में व्याप्त अनियमितताओं के विरोध में रीवा एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में घेराव एवं जंगी प्रदर्शन किया गया।

पंकज उपाध्याय ने आरोप लगाया कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा में केवल वही लोग पास हुए हैं जो बीजेपी नेताओं के करीबी हैं। उन्होंने कहा कि 90% से ज्यादा छात्र-छात्राएं फेल हुए हैं क्योंकि उनका कोई जुगाड़ नहीं था। पास केवल उन्हीं को किया गया है जो बीजेपी नेताओं का जिंदाबाद करते हैं और जो प्रोफेसरों और कुलपति के रिश्तेदार हैं।

उपाध्याय ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा में हुई कथित धांधली की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि संबल मेधावी और स्कॉलरशिप योजना के अंतर्गत आने वाले विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय प्रशासन ने फीस ले ली है, लेकिन वर्षों से फीस की वापसी नहीं हुई है। यह स्थिति छात्रों के लिए अत्यंत चिंताजनक है।

उन्होंने यह भी कहा कि कई प्राध्यापक ऐसे नियुक्त हैं जिनके पास ना तो पीएचडी की डिग्री है और न ही उन्होंने यूजीसी नेट क्वालीफाई किया है। उनकी नियुक्तियों की जांच कर सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है।

एनएसयूआई कार्यकर्ता विश्वविद्यालय का घेराव करने जा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने पुलिस के माध्यम से छात्रों को रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने वाटर कैनन और लाठीचार्ज किया, जिससे सैकड़ों कार्यकर्ता गिरफ्तार हुए।

पंकज उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि एनएसयूआई अपनी मांगों पर अडिग रहेगी और यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन और उग्र रूप लेगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता।

प्रदर्शन में प्रदेश सह सचिव निकिता शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा, आर्यन सिंह, हरिओम कुशवाहा, रीवा विधानसभा अध्यक्ष संस्कार त्रिपाठी, टीआरएस कॉलेज इकाई अध्यक्ष नित्कर्ष मिश्रा, सागर प्यासी, सनी रॉय, अमन द्विवेदी, बलराम तिवारी, मोहित शुक्ला, संजीव शुक्ला, अजय सिंह सहित सैकड़ों छात्र नेता उपस्थित रहे।

श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और 1-एसआर-14 गेहूं बीज से मिल रही किसानों को रिकॉर्ड उपज, इस साल भी इन्हीं किस्मों पर भरोसे का रुझान

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश में गेहूं की खेती में श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 गेहूं बीजों ने उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। इन उन्नत किस्मों ने किसानों के बीच उच्च उपज, रोग प्रतिरोधकता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के लिए ख्याति प्राप्त की है।

श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई गेहूं की किस्में, श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 और 5-एसआर-05, इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। इनमें कल्ले ज़्यादा और बालियां लंबी है, और यह रोगों के प्रति सहनशील है।सबसे खास बात यह है कि बदलती प्रकृति से उभर रही नई-नई चुनौतियों में भी इन किस्मों के परिणाम श्रेष्ठ हैं। अपनी इन्हीं विशेषताओं के चलते ये दोनों किस्में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के किसानों की पहली पसंद बन गई हैं।

अनुभवी किसान विजेन्द्र सिंह बताते हैं कि इस साल उन्होंने अपने खेत में श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 गेहूं की बुवाई की। उनका कहना है कि इस किस्म का तना बेहद मज़बूत है, जिससे फसल गिरने की संभावना नहीं रहती। साथ ही, कल्लों की संख्या अधिक है और हर बाली में 85-90 दाने मिलने से उत्पादन अत्यधिक रहा। वे कहते हैं, विपरीत मौसम में भी श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 ने स्थिर और शानदार उपज दी — यह सच में भरोसेमंद गेहूं की किस्म है। साथ ही साथ श्रीराम द्वारा बाजार में दी जा रही किस्म श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 से भी किसान बहुत खुश हैं व उत्तम परिणाम पा रहे हैं।

एक अन्य किसान केदार सिंह जिन्होंने पिछले साल अपने खेत में श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 गेहूं बीज की बुवाई की थी। उनका कहना

है कि इसमें अन्य किस्म की तुलना में श्रीराम सुपर 1-स्क्र-14 में लंबी बालियाँ, अधिक कल्ले और प्रति बालियों दानों की संख्या अधिक रही और श्रीराम 1-एसआर-14 में कम पानी की आवश्यकता पड़ी। वे अन्य किसानों को भी श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 लगाने की सलाह देती हैं। श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और 1-एसआर-14 गेहूं बीज के साथ-साथ, श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के अन्य उत्पाद जैसे श्रीराम सुपर 3-एसआर-72, 303, 111, 272 भी पिछले कुछ सालों से अपनी शानदार परफॉर्मेंस के चलते किसानों में बेहद लोकप्रिय हो गए हैं।

जीवन में आनंद की अभिवृद्धि हेतु "अल्पविराम कार्यशाला" का आयोजन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, राज्य आनंद संस्थान एवं आनंद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विकासखंड कुसमी के जनपद सभागार में शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए एकदिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी ज्ञानेंद्र मिश्रा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चरणों में पुष्प अर्पित कर किया गया। जिला संपर्क व्यक्ति एवं मास्टर ट्रेनर श्री शिवदत्त उरमलिया ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा एवं आनंद विभाग की अवधारणा प्रस्तुत की।

द्वितीय सत्र में मास्टर ट्रेनर डॉ. संजय श्रीवास्तव ने आनंद की ओर विषय पर प्रवर्तन करते हुए आनंद के घटने-बढ़ने की स्थितियों पर चर्चा की। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मचिंतन से आनंद की अनुभूति बढ़ाई जा सकती है।

तृतीय सत्र में जीवन का लेखा-जोखा (स्पमि ठंसंदबम ौममज) विषय पर चर्चा हुई, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्यों का आत्ममूल्यांकन करने और एवं क्पतमबजपवद को अपनाकर जीवन में आनंद की अभिवृद्धि का संदेश दिया गया। अंतिम सत्र में चिंता एवं प्रभाव का दायरा विषय पर डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि व्यक्ति को केवल उन्हीं बातों पर ध्यान देना चाहिए जो उसके प्रभाव के दायरे में आती हैं; अन्यथा मानसिक तनाव और अवसाद स्वत: कम हो जाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा आदिम जाति कल्याण विभाग के लगभग साठ अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रकाश दुबे, परामर्शदाता, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड कुसमी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शैलेश वर्मा, रामपाल केवट एवं रामबहादुर प्रजापति का विशेष सहयोग रहा।

नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकास पर बैठक 3 को

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने जानकारी दी कि ग्राम बाड़ीटोला (चौफल कोठार), तहसील गोपद बनास में चयनित एवं हस्तांतरित भूमि पर नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाने के संबंध में बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक कलेक्टर सीधी की अध्यक्षता में 3 नवम्बर को कलेक्टर सभागार में टी.एल. बैठक के तुरंत बाद आयोजित की जाएगी। महाप्रबंधक ने संबंधित सभी अधिकारियों एवं विभागीय प्रतिनिधियों से उक्त बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थिति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

सोशल मीडिया के सियासी गुनाह

संपादकीय

हिमाचल में राजनीतिक चरित्र की विडंबनाएं अब निराशा का सबब बन रही हैं, जबकि अपने अवतार में सोशल मीडिया की कसरतें निर्लज्जता पर उतर रही हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर उभरी एक पोस्ट ने राजनीतिक चरित्र की कई रेखाएं खींच दीं। कलाकृति की भेंट में मुख्यमंत्री को सौंपे गए एक चित्र पर धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा ने आलोचना की जमीन पर अनावश्यक टिप्पणी करके कांग्रेस के रंग में भंग डाल दिया। अगर यह दो व्यक्तियों के बीच सीधी टक्कर है, तो भी मूल्यांकन की कसौटी बेपर्दा नहीं होनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल कांग्रेस के बीच व्यक्तित्व का टकराव ऊपर से नीचे तक रहा है और आज भी जारी है। कांग्रेस के कई शोषित अध्याय अतीत में राजा वीरभद्र सिंह बनाम हर कोई करते रहे, लेकिन अब इस राजनीति की सुबह और शाम बदली है। मुख्यमंत्री के रूप में सुखविंदर सुक्खू का आरोहण इतना साधारण भी नहीं था कि सत्ता चैन से बांसुरी बजाती। इसलिए जब कांग्रेस से राज्यसभा सीट छीनी गई, तो सत्ता की पैमाइश से एक कांग्रेस बाहर निकल गई या निकाल दी गई। असली खेल उसके बाद का है जहां मंत्रिमंडल की सूरत और सीरत बदली है, तो यह सरकार अपनी निर्भीकता में कांग्रेस की असलीयत बदलती रही है। हम यह तो मान सकते हैं कि सुधीर कांग्रेस को नहीं कोस रहे हैं। हो सकता है उनका हिसाब किताब सीधे वर्तमान मुख्यमंत्री से जुड़ता है, लेकिन किसी भी नेता की परिपक्वता और स्वीकारोक्ति, उसके लहजे, भाषायी निर्मलता, विजन और संस्कारों से ही साबित होगी। नेता और कार्यकर्ता में फर्क भी यही है कि एक सोशल मीडिया में अपनी शख्सियत खोजता है, दूसरे को अपनी शख्सियत का जलवा दिखाना होता है।सुधीर शर्मा का जलवा तब जाहिर हो गया था, जब उपचुनाव में सत्ता के खिलाफ खड़े होकर उन्होंने अपनी जीत की शृंखला आगे बढ़ाई थी, लेकिन इसका प्रतिकूल असर अब राजनीति को दूषित कर रहा है। यहां सुधीर शर्मा कांग्रेस के अछूत नहीं हुए, बल्कि पूरे विधानसभा क्षेत्र को अछूत करार दे दिया जाए तो सही नहीं होगा। धर्मशाला के नरघोटा टाउनशिप की प्लानिंग फाइनल होकर भी गायब कर दी गई, जबकि इसी जमीन पर टूरिस्ट विलेज का सपना भी अब गहरी नींद सो गया। बस स्टैंड की परियोजना कहीं ढह गई, तो कान्वेंशन सेंटर की नींव को सियासी दीमक चाट गई। सबसे बड़ा आघात केंद्रीय विश्वविद्यालय के उस शिलान्यास को पहुंचा है जिसके ऊपर देश के प्रधानमंत्री का नाम चस्पां है। दुर्भाग्यवश नेताओं के अहंकार और व्यक्तिगत खुन्नस जनता को ढोनी पड़ रही है। सरकार के आगे धर्मशाला के विधायक का क्या वजूद, लेकिन इसके लिए कांग्रेस का विकल्प क्या है।

पराली जो जलकर बनती है सियासत वाली

ऋतुपर्ण दवे

ठण्ड की दस्तक के साथ धान की कटाई और पराली जलाए जाने के बीच आई दिवाली पर खतरनाक स्तर तक पहुंचे प्रदूषण के लिए फिर पराली को ही जिम्मेदार ठहराने में पंजाब और दिल्ली की राज्य सरकारें इस बार आमने-सामने रहीं। यह सच है कि पराली के चलते दोनों राज्यों के अलावा भी कई राज्य इसका प्रदूषण भुगत रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि पंजाब-दिल्ली की सरकारें बजाए सुलह के एक-दूसरे को दोषी ठहरा, प्रदूषण से कैसे निपटेंगी? आसमान से निगरानी और लाइव तस्वीरों के इस दौर में भी सच सामने होने के बावजूद राजनीतिक बयानबाजी बेहद हैरानगी भरी है। सच है कि प्रदूषण की दमघोटू हवा इसके प्रभाव में आने वाले हर किसी को तकलीफ देती है। यह भी सही है कि कोरोना के बाद बहुत से लोगों में प्रदूषण को बरदाश्त करने की क्षमता भी घटी है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारें बयानों से बचाव करें। हालांकि इस बार दिल्ली में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश की बात की जा रही है। देखना होगा कि यह तकनीक कितनी कामियाब होती है। लेकिन प्रदूषण को लेकर यह स्थाई विकल्प हो पाए, ऐसा लगता नहीं है।

इधर सुप्रीम कोर्ट ने भी बीते बरस, दिल्ली में बढ़े वायु प्रदूषण पर केंद्र को कड़ी फटकार लगाई तो पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी चेताया। बावजूद इसके काबू पाया जा सका न ही कोई विकल्प खोजा गया। अदालत में तब पेश जवाब पर ही सवाल खड़े होना लाजिमी थे जो हुए। फिलहाल दिल्ली में दिवाली के फौरन बाद प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक पहुंचना बेहद चिंताजनक है। 301 से ऊपर का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इण्डेक्स(एएक्यूआई) इमरजेंसी स्थिति मानी जाती है। दिल्ली में 27 अक्टूबर तक प्रदूषण के स्तर में सुधार जरूर हुआ है लेकिन धान कटाई और पराली जलाने की घटनाओं में भी पंजाब व आसपास तेजी से स्तर कब कहां पहुंच जाए कहना मुश्किल है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि न केवल एनसीआर बल्कि दूसरे क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ा हुआ है। पंजाब भी बुरी तरह से इसकी गिरफ्त में है। लेकिन यह सच है कि दिल्ली के मुकाबले वहां प्रदूषण अभी कम है। भले अभी पंजाब को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है क्योंकि इसी मंगलवार लुधियाना में दिवाली के ठीक पहले 271, जालंधर में 247, अमृतसर में 224, पटियाला में 206 वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया गया। केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड के आंकड़ों जो कि 27 अक्टूबर तक के हैं देखने से पता चलता है कि दिल्ली में प्रदूषण में गिरावट के बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक 301 पर बना हुआ है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 1,900 प्रतिशत अधिक है। इसी दिन बहादुरगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 381 से बढ़कर 387 हो गया है। जबकि दिल्ली सहित नौ शहरों में यह 300 के पार है। वहीं, देश में शिलांग की हवा सबसे साफ रही जबकि भारत के 256 शहरों में से केवल 23 प्रतिशत में ही हवा साफ है यानी 77 प्रतिशत में हवा खराब है। गनीमत है कि बीच-बीच में बदलते मौसम से हालात इस बार पिछली बार जैसे नहीं बन पा रहे हैं।समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल भारत ही नहीं पाकिस्तान की पराली का धुंआ भी जिम्मेदार है। नासा की एक रिपोर्ट, वर्ल्डव्यू एनिमेशन, सेटेलाइट तस्वीरें, चंडीगढ़ पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी के शोध से भी साफ हो गया है कि भारतीय पंजाब के मुकाबले पाकिस्तानी पंजाब में पराली ज्यादा जलती है। इस पर पड़ोसी पर भी लगाम की जरूरत है। आखिर कैसी कोशिशें हैं कि सालों साल से यह मसला बजाए सुलझने के हर बार नए आरोपों में घिर जाता है? रही बात सरकारों की तो केन्द्र या राज्य की सरकारें किसानों को लेकर दावा कुछ भी करें लेकिन किसानों की भी तो अपनी समस्याएं हैं। संसाधनों की कमीं से जूझते छोटे-छोटे किसानों को भला ऋण कैसे मिलेगा ताकि पराली से विभिन्न उत्पाद बनाने वाली मशीनें खरीद सकें? किसानों की अपनी मजबूरी है। खेती मौसम पर निर्भर है और एक-दो दिन का बिगड़ा मौसम महीनों की मेहनत पर पानी फेर देता है। इसी चलते किसान भी तुरंत पराली जलाने को मजबूर होते हैं। किसान अगली फसल की बुवाई की जल्दबाजी मौसम के डर के बीच हालातों से जूझता है।

वैश्विक स्तरपर भारत दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र, सबसे युवा जनसंख्या और सबसे विविध भाषाई पहचान वाला देश हैं, यहाँ भाषा सिर्फ बोलने का माध्यम नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, परंपरा, ज्ञान और पहचान की जीवंत धरोहर है। भारतीयों के लिए भाषा आत्मा की आवाज़ है। भारत का भाषाई परिदृश्य दुनियाँ में सबसे अनूठा है, जहाँ 22 अनुसूचित भाषाएँ, 122 प्रमुख भाषाएँ और 19,500 + बोलियाँ बोली जाती हैं। इतने विशाल भाषाई विस्तार के साथ डिजिटल परिवर्तन को समावेशी बनाना एक बड़ी चुनौती और साथ ही एक विशाल अवसर है।भाषा केवल संचार नहीं, एक सभ्यता की आत्मा हैं,भाषा किसी भी मानव समाज के भावनात्मक, नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों की वाहक होती है। भाषा के माध्यम से ज्ञान पीढ़ियों तक प्रवाहित होता है। यह व्यक्ति की जड़ों से जुड़ाव बनाती है, उसकी पहचान स्थापित करती है और उसे समाज का सक्रिय सदस्य बनाती है।

भारत की बहुभाषिक डिजिटल क्रांति-भाषाई डिजिटल पुनर्जागरण

मातृभाषा में डिजिटल अधिकार-तकनीक, संस्कृति और समावेशन का नया युग

किशन सनमुखदास भावनानी

किसी भी देश के डिजिटल विकास का मूल्यांकन तभी सार्थक है जब उसकी तकनीक किसी व्यक्ति की मातृभाषा को सम्मान दे। यदि व्यक्ति अपने अधिकार, स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक अवसर उसी भाषा में समझ पाए जिसे उसने बचपन से सीखा है, तब ही तकनीक वास्तविक समावेशन की शक्ति बनती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज 'भाषा- टीकाकरण' और 'भाषा-समावेशन'का युग है और भारत अपने विशाल भाषाई समृद्धि को केवल चुनौती नहीं मान रहा, बल्कि इसे अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाकर आगे बढ़ रहा है। हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्ष-दशक में यह दृष्टि फलीभूत होगी,और भारत का प्रत्येक नागरिकअपनी मातृभाषा में,अपनी बोली में,तकनीक, नवाचार और सामाजिक- उन्नति का हिस्सा बनेगा।आज भारत तेज़ी से डिजिटल सुपरपावर बनने की ओर अग्रसर है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और सरकार की डिजिटल इंडिया नीति ने एक नए युग की शुरुआत की है,जहाँ हर नागरिक को अपनी मातृभाषा में डिजिटल अधिकार, सेवाओं तक पहुँच और सूचना की स्वतंत्रता मिले। यही भारत के भाषाई डिजिटल पुनर्जागरण की असली नींव है।भारत का भाषाई परिदृश्य वास्तव में विश्व में अद्वितीय है। भारत में केवल 22 अनुसूचित भाषाएँ ही नहीं रह गई, बल्कि सैकड़ों जनजातीय तथा क्षेत्रीय बोलियाँ पूरे भौगोलिक विस्तार में विद्यमान हैं। यह विविधता केवल संख्या-का विषय नहीं है, बल्कि यह हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक,भाषाई एवं राजनैतिक जटिलताओं का द्योतक है। उदाहरणतः संविधान में 22 भाषाओं को अनुसूचित किया गया है,जो यह संकेत देती हैं कि इनमें सरकारी, शैक्षिक, न्याय- प्रक्रिया और सार्वजनिक संवाद की दृष्टि से विशेष संवैधानिक मान्यता है। इसके अतिरिक्त,भारत के प्रत्येक राज्य एवं क्षेत्र में स्थानीय-भाषा और बोलियों का अपना स्थान है, सौ-सौ वर्षों से चली आ रही संवाद-परंपराएँ हैं, और वे बोलियाँ सिर्फ बोली के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक पहचान, सांस्कृतिक विरासत तथा अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इस प्रकार भारत में भाषा का प्रश्न केवल भाषाई संरचना तक सीमित नहीं है यह क्षेत्रीय-तक निजी-तक पहचान, सामाजिक-तक राजनैतिक संदर्भ, और तकनीकी-तक डिजिटल समावेशन का विषय भी है।

साथियों बात अगर हम इस विशेषता के कारण जब हम डिजिटल परिवर्तन की दिशा में देखते हैं तो,भारत की बहुभाषिक डिजिटल क्रांति यानें संवाद, सूचना,संचार,इंटरफेस तकनीकें, इंटरनेट-आधारित सेवाएँ स्मार्टफोन -एप्लिकेशन-सिस्टम आदि,तो दूसरे बिंदु के रूप में यह स्पष्ट हो जाता है कि जैसे-जैसे डिजिटल बदलाव तेज़ हो रहा है, इस भाषाई विविधता को डिजिटल बुनियादी ढाँचे में समाहित करना बेहद जरुरी हो गया है। तकनीक अब केवल संचार का माध्यम नहीं रह गई है,यह आज समावेशन की रीढ़ बन चुकी है।यदि केवल अंग्रेजी या मात्र एक-दो प्रमुख भाषाएँ तकनीक- उपकरणों, एप्लिकेशन इंटरफेस,सोशल-मीडियाप्लेटफार्म, सरकारी-डिजिटल सेवाओं में प्राथमिक हों, तो भाषाई बहुलता वाले देश में यह एक बड़ा समावेशन-विरोध पैदा कर सकती है, अर्थात्- भाषाई रूप से पिछड़े समुदाय, बोलियों-भाषाओं में रहने वाले नागरिक, स्थानीय-भाषा बोलने वाले उपयोगकर्ता डिजिटल विभाजन के शिकार हो सकते हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि डिजिटल परिवर्तन-प्रक्रिया में इन भाषाओं और बोलियों को तुरंत, आत्मसात और प्रभावी रूप से शामिल किया जाए। जब मोबाइल-इंटरनेट पहुँच, स्मार्टफोन-यूजरसंख्या, सरकारी-ऑनलाइन सेवाएँ और निजी-उपकरणों-एप्लिकेशनों में वृद्धि हो रही है,तब भाषा-समावेशन, हम सिर्फ सामाजिक- सद्भावना की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आर्थिक-सांस्कृतिक एवं डिजिटल-सशक्तिकरण की दृष्टि से भी अनिवार्य बन गयी है। इसके परिणामस्वरूप यह माना जाना चाहिए कि भाषा- उपकरणों स्थानीय-भाषा इंटरफेस, वॉइस-आधारित इंटरैक्शन, रीयल-टाइम अनुवाद, ध्वनि-सक्षम माध्यमों के विकास से ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का वास्तविक लाभ सभी नागरिकों तक पहुँच सकता है। यदि कोई व्यक्ति अपनी स्थानीय भाषा में नहीं समझ पाता, तो वह उस डिजिटल प्लेटफार्म की पूरी क्षमता से लाभ नहीं उठा पाएगा और यही पर टूटा हुआ समावेशन और वृद्धि-विरोधन अंतर बन जाता है।

साथियों बात अगर हम भारत सरकार तथा तकनीकी क्षेत्र ने इस समझ के आधार पर सक्रिय कदम उठाना शुरू कर दिया है इसको समझने की करें तो, एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), एनएलपी (प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण), मशीन लर्निंग तथा वाक-पहचान जैसी उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल करके बुद्धिमान और मापयोग्य भाषा समाधान विकसित करना। उदाहरण के रूप में, राज्य-स्तर तथा केंद्र-स्तर पर अनेक पहलों ने लोकसेवा, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य एवं वित्तीय सेवाओं में भाषा- समर्थन पर ध्यान दिया है, जो एक उल्लेखनीय पहल है भाषिणी-यह एक राष्ट्रीय भाषा अनुवादमिशन-आधारित प्लेटफार्म है जो विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद, मल्टीलिंगुअल मॉडल और वह-इंटरफेस बना रहा है। इसके अलावा अनुसंधान-कागजात ने दिखाया है कि भारतीय-भाषाओं हेतु विशिष्ट मल्टीलिंगुअल मॉडल जैसे मुरिल तैयार किए गए हैं, जिनका उद्देश्य है कि भारतीय भाषाओं के लिए प्रदत्त डेटा-सेट्स तथा रिज़ल्ट-मॉडल अंग्रेजी-केन्द्रीय मॉडल्स की तुलना में बेहतर हों। इन तकनीकी पहलों का उद्देश्य हैनिर्बाध संचार, रीयल-टाइम अनुवाद, ध्वनि-सक्षम इंटरफेस और स्थानीयकृत सामग्री वितरण को सक्षम करके डिजिटल सेवाओं तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाना।अर्थात- न केवल अंग्रेजी-मध्यम उपयोग कर्ताओं को बल्कि मातृभाषा- उपयोगकर्ताओं को भी-साथ लाना।भाषा-विविधता का सम्मान करने वाले एक मज़बूत तकनीकी व्यवस्था-तंत्र के निर्माण करने भारत इस दिशा में आगे बढ़ रहा है, जहाँ हर नागरिक, अपनी मातृभाषा के सहयोग से,डिजिटल अर्थव्यवस्था और शासन का हिस्सा बन सकेगा। भाषा- समर्थित सेवाएँ, इंटरफेस- स्थापनाएँ, स्थानीयकृत कंटेंट, वॉइस-आधारित इंटरैक्शन जैसे सशक्त उपकरण आज वास्तविक हो रहे हैं।इससे वे लोग भी डिजिटल अर्थव्यवस्था ई-गवर्नेंस, औद्योगिक-इनोवेशन -सेवाएँ आदि का लाभ उठा सकेंगे जिनका पहला भाषा- चयन उनकी मातृभाषा है। इससे एक तरह से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भाषा-दोष डिजिटल-दोष में नहीं बदल जाए। जब प्रत्येक राज्य- जनसंख्या-भाषा को मान्यता मिलती है, तो यह न सिर्फ तकनीकी समावेशन का प्रश्न है, बल्कि वह सामाजिक न्याय-प्रश्न भी है, जिससे भाषा-अधिकार एवं डिजिटल-अधिकार एक दूसरे से जुड़ते हैं। इस दृष्टि से, भाषा केवल एक माध्यम नहीं रही बल्कि एक अधिकार-आधार भी बन चुकी है, और इसके पालन-संबल को तकनीकी सन्दर्भ में सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अब सरकारों,उद्योगों और शोध- समुदायों पर है।

साथियों बात कर हम भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं है,यह किसी सभ्यता की आत्मा है, इसकी संस्कृति है, इसकी विरासत है, इसको समझने की करें तो, जब हम अपनी मातृभाषा में बातचीत करते हैं,अपने रीति-रिवाजों, लोक-कथाओं, गीत-साहित्य, तकनीकी व संवाद- परिस्थितियों में उसे प्रयोग करते हैं,तो हम एक सम्पूर्ण सामाजिक-मानवीय तंत्र को सक्रिय करते हैं।भाषा- विविधता का सम्मान करना हमारे लिए इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि प्रत्येक भाषा एक विशेष दुनियाँ समाहित करती है,उसमें स्थानीय अनुभव, सामाजिक दृष्टिकोण, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और संवाद-शैली होती है। यदि डिजिटल जमाना ऐसी भाषा- विविधता को नजर अंदाज़ करे, यदि टेक्नोलॉजी केवल कुछ प्रमुख भाषाओं तक सीमित रहे, तो न केवल भाषा-वंचित समुदाय पीछे रह जाएंगे बल्कि उनके संवाद-विश्व,उनकी सामाजिक- पहचान और उनकी सांस्कृतिक धरोहर को जोखिम होगा।इसलिए भाषा-समर्थन सिर्फ एकतकनीकी सुविधा नहीं है, यह सभ्यता-रक्षा, संस्कृति- संवर्धन और मानव-समानता का सवाल भी है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत ने एक दुर्लभ अवसर सामना किया है,जहाँ एक ओर उसकी भाषाई विविधता बहुत बड़ी चुनौति है,लेकिन दूसरी ओर वही विविधता उसके लिए समावेशन,नवाचार और वैश्विक-तक प्रतिस्पर्धा का आधार भी बन सकती है।यदि सही ढंग से, निरंतर और रणनीतिक रूप से टेक्नोलॉजी- भागीदारियों, भाषा-डेटा- इन्फ्रास्ट्रक्चर, शोध-सहयोग एवं नीतिगत-संसाधनों को विकसित किया जाए, तो भारत न केवल अपने नागरिकों को डिजिटल- सशक्त कर सकता है, बल्कि भाषा-समर्थित तकनीकी मॉडल-विकास के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भी उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। इसके लिए अनेक तत्व हैं,अगर भारत इन सभी धारणाओं को समय-के अनुसार अपनाता है, तो यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि आगे आने वाला डिजिटल युग सिर्फ उच्च-प्रौद्योगिकी-उपकरणों का युग न हो, बल्कि वह युग हो जहाँ प्रत्येक नागरिक,चाहे वह किसी भी क्षेत्र, किसी भी बोलियों-भाषा से हो,अपनी मातृभाषा में सक्षम, सशक्त, संवाद-सक्षम एवं नवप्रवर्तनशील रूप से सहभागी बन सके। इस प्रकार भाषा-सक्षम तकनीकी व्यवस्था न सिर्फ भारत की आंतरिक समृद्धि का स्रोत बनेगी, बल्कि वैश्विक भाषा-तकनीक विकास में भारत एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल करेगा। भविष्य में, जब हम देखेंगे कि भारत की भाषा-समर्थित डिजिटल संरचनाएँ कितनी प्रभावी साबित होती हैं, तब यह स्पष्ट होगा कि हमने एक ÷समावेशी डिजिटल भारत÷ का केवल नारा नहीं दिया था, बल्कि उसकी नींव रखी थी।

अमेरिका द्वारा तेल कपनियो पर प्रतिबंध लगाने पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ट्रप से खफा

अमेरिका के नामचीन अर्थशास्त्री अपनी दुनिया के बाहर विश्व अर्थव्यवस्था का इंजन तलाशने की कोशिश कर रहे है।वर्षो पहले चीन ने अपनी आर्थिक वृद्धि दर बढाकर उसमे यह आशा पैदा की गई थी कि चीन विश्वअर्थव्यवस्था का अगला इंजन हो सकता है।यूरोपिय अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को आशा थी कि चीन उनका नया बाजार बनेगा।चीन कम्युनिस्ट होने के नाते चीन का अपने अर्थतंत्र पर नियंत्रण है।वह अपने उत्पादन का स्वरूप भी तय करेगा।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का व्यापार का स्वरूप आर्थिक कम,राजनौतिक अधिक है।

कांतिलाल मांडोत

उसका व्यापार वैसा नही है,जैसा अर्थशास्त्र की पुस्तकों में पढ़ाया जाता है।अमेरिका का व्यापार का लक्ष्य लोगो की आवश्यकता पूरी करने वाली वस्तुओं का आदान प्रदान करना नही है।उसके व्यापार का लक्ष्य एक व्यापारिक साम्राज्य खड़ा करना है।डोनाल्ड की नीतियां अमेरिका की जनता को रास नही आ रही है।डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ सड़को पर उतरी जनता का कोई औचित्य नही है।ट्रम्प की विदेश नीति द्विदाभरी दिखाई दे रही है।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चीन,भारत और रूस के खिलाफ मोर्चा खोलकर बैठ चुके है।भारत की किरकिरी करने वाले डोनाल्ड ने यह कभी नही सोचा कि भारत से द्विपक्षीय सम्बन्ध ठीक है।उसके बाद भारत को निशाने पर रखने का क्या मतलब है? अभी हाल ही में अमेरिका ने रूसी कम्पनियो पर प्रतिबंध लगाया है।रूस के रास्ट्रपति व्लदीमिर पुतिन ने कहा कि अमेरिका का प्रतिबंध दबाव बनाने की कोशिश है।तीन तेल कम्पनियो पर प्रतिबंध लगाकर रूस के हाथ बांध दिए है।पुतिनने अमेरिका को सीधा टारगेट कर कहते है कि युक्रेन पर मिल रही सफलता की वजह से अमेरिका ने तीन तेल कम्पनियो पर प्रतिबंध लगाया है।चीन को 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर चीन के रास्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका को चेतावनी दी कि मर्यादा में रहना सीखे।क्योकि हम अमेरिका से भी युद्ध कर

सकते है।विश्व की सुपरपावर तीनो देशो को टार्चर करने वाला अमेरिका इन देशों की तरक्की पचा नही पा रहा है।

चीन अमेरिका के भरोसे पर नही है।अपना व्यापार बढ़ाने के लिए भारत जिस तरह से नए विकल्प खोज रहा है,वैसे ही चीन अपना व्यापार बढ़ाने के लिए नए मार्ग विकसित कर रहा है।अपने सामान की आवाजाही के लिए सुगम बनाने के लिए चीन बाहर व्यापक निवेश कर रहा है।उसने पारंपरिक व्यापारिक मार्गो को भी विकसित किया है।अमेरिका की समृद्धि उत्पादन से नही,मनाफे से पैदा हुई है।क्योंकि अमेरिका की जनसंख्या यूपी और बिहार जितनी ही है।मुनाफा उसको आंतरिक बाजार में नही मिला,जितना उसे बाहरी बाजार से मिला है।उसी का कारण है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है और रूस की बढ़ती आय से अमेरिका भारत पर नाराज है क्योंकि रूस की तेल की आय भारत से मिल रही है,वह युक्रेन पर जंग में खर्च कर रहा है।और अमेरिका और नाटो देश युक्रेन को हथियारों की मदद कर रूस के सामने टिके रहने की आर्थिक मदद कर रहे है।अभी हाल ही में लगाए गए तेल कम्पनियो पर प्रतिबंध से अमेरिका और रूस के राजनयिक सम्बन्ध खराब होने की आशंका जताई गई है।लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति समझने के लिए तैयार नही है।यूरोप काआंतरिक बाजार विशाल अमेरिकी क्षेत्र पर नियंत्रण के बाद ही विकसित हुआ है।

औधोगिक अर्थव्यवस्था अभी भी अपने व्यापारिक मनाफ़े के कारण टिकी है।वे वही समान पैदा कर रही है,जिनमे मुनाफा है।युद्ध सामग्री का व्यापार उन्ही के नियंत्रण में है।युद्ध सामग्री के अंतराष्ट्रीय बाज़ार के 34 से 49 प्रतिशत पर अमेरिका का नियंत्रण है और 25 प्रतिशत पर रूस है ।रूस भी कम ताक़तवर नही है।पुराने बाजार सिमट रहे है तो उन्होंने सेवा क्षेत्र के नए बाजार पैदा कर दिए है।उनकी दवा कम्पनिया दुनियाभर में लूटपाट मचाती रही है।दुनियाभर में अपनी शैक्षणिक संस्थाओं,बीमा कम्पनियो, रिटेल स्टोरों के लिए दरवाजे खोलने का दबाव बनाते है।चीन का लक्ष्य मुनाफा बढ़ाना नही है,व्यापार का परिणाम बढ़ाना है।इसके लिए चीन भारी पूंजी निवेश भी कर रहा है।अमेरिका की भारत, चीन और रूस की बढ़ती आर्थिक ताकत से नाराज है।क्योंकि अमेरिका से आगे कोई भी देश नही जाना चाहिए।यही अमेरिका की नीति और भावना है।यूरोप अमिरिकी सामाज्य की चुनौती नही मिलेगी।पर वह यूरोप अमेरिका सामाज्य अपने आंतरिक असंतुलन से धराशायी हो सकता है।एक दिन अमेरिका का फर्स्ट तमगा लुढ़ककर धराशायी अवश्य होगा।क्योंकि तानाशाही शासक के रूप में उभर रहे ट्रम्प की कथनी समान नही है।विकसित देशों को अपने दबाव में लेकर दबाना चाहता है।लेकिन जिस तरह से रूस ने कहा कि कोई भी आत्मसम्मान वाले देश झूकेंगे नही।अगले वर्षो में परिवर्तन की लहर दौड़ सकती है।जनसंख्या वृद्धि में जो अंतर पैदा हो रहा है।वह इन परिवर्तनों का कारण ही है।अमेरिका ने तेल कम्पनियो पर प्रतिबंध इसलिए लगाए गया हैंकि रूस जंग रोकने के लिए तैयार नही है।पुतिन और चीन के रास्ट्रपति शी जिंगपिंग के अच्छे रिश्ते का हवाला देते हुए ट्रम्प ने कहा कि मैं शी जिनपिंग से जंग पर बात करूंगा। भारत पर लादे गए टैरिफ को लेकर आज भी अमेरिका और भारत की दिशा अलग थलग है। हमने तो स्वदेशी पर जोर देकर भारत मे दीपावली धूम्रधाम से मना ली है।लेकिन अमेरिका पर भारत आज भी नाराज है।आसियान समिट पर ऑनलाइन हिस्सा लेने की बात पर जोर देते हुए मोदी ने मलेशिया की द्विपक्षीय सम्बध मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त किया है।आशियान समिट में विदेश मंत्री जयशंकर की उपस्थिति रहने की पूरी सम्भावना है ।अमेरिका के तीखे तेवर भारत के स्वाभिमान पर अडिग है।हम अपना विकल्प ढूंढ रहे है।जबकि भारत किसी का मोहताज नही है।भारत को दबाने के लिए डोनाल्ड ट्रम्प की पैतरेबाजी का अब कोई औचित्य नही है।अमेरिका हमारे साथ ही दुर्व्यवहार नही करता है।वेनेजुएला और अमेरिका के बीच भी राजनयिक सम्बंध ठीक नही है।अमेरिका की पूंजीवादी औरविदेश नीतियों की वेनेजुएला आलोचना करता है।छोटे देशो को दबाव में रखना चाहता अमेरिका वेनेजुएला में सौ साल पूर्व तेल के भण्डार मिलने के बाद वेनेजुएला सम्पन्न बन चुका था।बीस सालों में वेनेजुएला शक्तिशाली और तेल निर्यातक देशो में अग्रणी बन गया।यह अमेरिका को पच नही रहा है।1950 में वेनेजुएला दुनिया मे चौथा बड़ा धनिक देश था।अभी हालाता खराब है।इस वजह से अमेरिका दबाव बना रहा है।लेकिन अमेरिका को जवाब देने के हिमत वेनेजुएला में है।उन्होंने कहा कि मर्यादा में रहिएगा।क्योकि हम भी जवाब देने के लिए तैयार है।

40 केंद्रों में शिविर लगाकर किया आधार अपडेशन का कार्य

दुर्ग, एजेंसी। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार चिन्हित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के लिए आज जिले भर के 40 केन्द्रों पर शिविर आयोजित किए गए हैं। इन शिविरों में अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन/आधार अद्यतन हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर मशीनों के साथ उपस्थित हैं। जिला शिक्षा अधिकारी, सह. जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा दुर्ग से मिली जानकारी अनुसार संबंधित संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने विद्यालयों के विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेज के साथ अपडेशन कार्य में अनिवार्यतः उपस्थिति सुनिश्चित करायें। संबंधित संस्था प्रमुख अपने विद्यालय के विद्यार्थियों को प्राथमिकता के साथ में बायोमेट्रिक अद्यतन/आधार अपडेशन कार्य पूर्ण कराने के पश्चात् आस-पास के शासकीय/अशासकीय विद्यालयों के बच्चों को भी अवसर प्रदान करेंगें। मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन कार्य प्रत्येंक विद्यार्थी को पाँच वर्ष की आयु में एवं दूसरा पन्द्रह वर्ष की आयु में करना अनिवार्य है। वर्तमान में 0 से 17 वर्ष आयु के विद्यार्थियों के लिए मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन कार्य, अक्टूबर 2026 तक के लिए निःशुल्क है। किसी भी स्थिति में मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट/आधार अपडेशन कार्य तथा अपार आई.डी. जनरेट करने का कार्य एक माह के भीतर पूर्ण करना अत्यावश्यक है। निर्धारित 35 केन्द्रों में अपडेशन कार्य आज सुचारु रुप से संचालित किया गया। यदि किसी शासकीय विद्यालय द्वारा मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट कार्य निर्धारित समय में पूर्ण नही किया जाता है, तो संबंधित संस्था प्रमुख की जवाबदेही तय कर कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी तथा अशासकीय विद्यालयों के विरुद्ध मान्यता शर्तो के उल्लंघन की कार्यवाही की जाएगी। उपरोक्त कार्य में किसी प्रकार की असुविधा होने पर विनोद कुमार सिन्हा डी.एम.सी. मो.नं. 9752606348 एवं जे. मनोहरण, ए.डी.पी.ओ.-9893295918, समग्र शिक्षा-दुर्ग से सम्पर्क किया जा सकता है।

होटल-ढाबों से अवैध लकड़ी जब्त, तीन प्रकरण दर्ज

बोड़ला चिल्फी धवईपानी मार्ग पर हुई जांच, संचालकों को चेतावनी

कवर्धा, एजेंसी। वनमंडल कवर्धा की टीम ने मंगलवार को बोड़लाःचिल्फीःधवईपानी मार्ग पर स्थित होटल एवं ढाबों में निरीक्षण अभियान चलाया। जांच के दौरान कुछ ढाबा संचालकों के यहां अवैध लकड़ी का उपयोग पाए जाने पर तीन प्रकरण दर्ज किए गए और लकड़ी जब्त की गई। वन विभाग ने बताया कि अधिकांश ढाबों में गिरी-पड़ी सूखी या बिक्री-अयोग्य लकड़ी का ही उपयोग पाया गया, जबकि तीन प्रतिष्ठानों में अवैध लकड़ी का इस्तेमाल किया जा रहा था।

तीन ढाबों पर कार्रवाई: जांच के दौरान पंजाबी काका ढाबा, ग्राम धवईपानी, संचालक सरदार जसविंदर सिंह के यहां से 2 चट्टा जलाऊ लकड़ी जब्त की गई। इस पर पी.ओ.आर. क्रमांक 21614/09, 28.10.2025 दर्ज हुआ। मुकेश ढाबा, ग्राम धवईपानी, संचालिका फूलबाई के यहां से मिश्रित प्रजाति की 28 नग बल्लियाँ मिलने पर पी.ओ.आर. क्रमांक 21614/10 दर्ज किया गया। राय ढाबा, संचालक गणेश राय के यहां से 1 चट्टा जलाऊ लकड़ी जब्त की गई, जिस पर पी.ओ.आर. क्रमांक 21614/11 अंकित किया गया।

भविष्य में कड़ी कार्रवाई की चेतावनी: वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि सभी ढाबा संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में यदि किसी भी प्रतिष्ठान में अवैध लकड़ी का उपयोग पाया गया तो कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे निरीक्षण नियमित रूप से जारी रहेंगे ताकि वन संपदा की अवैध कटाई और उपयोग पर पूर्ण रोक लगाई जा सके।

कलेक्टर ने धान खरीदी , राज्योत्सव के तैयारियों की समीक्षा की

धान खरीदी हेतु किसानों के पंजीयन शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

कोंडागांव, एजेंसी। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को समय सीमा की बैठक में धान खरीदी, राज्योत्सव और बस्तर ओलंपिक के तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में एग्रीस्टैक पोर्टल में धान खरीदी के लिए शेष किसानों का पंजीयन जल्द से जल्द पूर्ण कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने राज्योत्सव के तैयारियों की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु निर्देश देते हुए विभिन्न विभागों को विभागीय योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी की तैयारी हेतु निर्देशित किया। साथ ही बस्तर ओलंपिक के विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु सभी जनपद सीईओ को तिथि निर्धारित करते हुए अनिवार्य रूप से मेडिकल टीम की ड्यूटी लगाने सहित सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण करने हेतु कहा गया।

कलेक्टर ने धान खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन को पूरा कराने के साथ बारदाना की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पीडीएस दुकानों से बारदाना संग्रहण में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनान्तर्गत प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर हितग्राहियों को लाभान्वित करने को कहा। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिया कि हाई रिस्क वाले गर्भवती महिलाओं के निगरानी में लापरवाही न बरतें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गंभीरता के साथ दायित्वों का निर्वहन के निर्देश दिए और कहा कि ऐसे प्रकरणों की सतत निगरानी और समय पर आवश्यक स्वास्थ्य जांच कराएं। कलेक्टर ने जिले के लखपति दीदियों के एफडी कराने, जीवन ज्योति योजना, आयुष्मान कार्ड योजना और सुकन्या समृद्धि जैसे योजनाओं से जोड़ने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रगति और निर्माण कार्यो की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, डीएफओ चुड़ामणि सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

15 नवम्बर से होगी धान खरीदी, कलेक्टर ने दिए तैयारी के निर्देश

धान उपार्जन हेतु प्रशिक्षण आयोजित अधिकारियों को दी गई विस्तृत जानकारी

दुर्ग, एजेंसी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए दुर्ग, धमधा, पाटन एवं भिलाई-3 चरोदा के सभी अनुविभागों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, नोडल अधिकारी, धान उपार्जन केंद्र, सहकारी समितियों के अध्यक्ष/प्राधिकृत अधिकारी, समिति प्रबंधक, सेवा सहकारी समिति के प्रतिनिधि एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों को तीन पालियों में बी.आई.टी. कॉलेज दुर्ग में प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने संबंधित विभाग अधिकारियों को 15 नवम्बर से शुरू होने वाली धान खरीदी प्रक्रिया के पहले सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के कुल 123 खरीदी केंद्रों (नए व पुराने) में इस वर्ष खरीदी की जाएगी, जबकि 9 नवम्बर से टोकन कटना शुरू हो जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 30 अक्टूबर तक सभी शेष किसानों का एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अगले दो-तीन दिनों में अपने-अपने केंद्रों का निरीक्षण कर लें और जहां भी कोई कमी हो, उसकी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि सभी नोडल अधिकारी एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं ताकि सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हो सके। मोबाइल नेटवर्क, स्टोरेज की स्थिति और ट्रकों के मार्ग में आने वाली बाधाओं (जैसे बिजली तार, पेड़ की डालियां आदि) की जांच पहले ही कर ली जाए। कलेक्टर ने कहा कि 36 संवेदनशील केंद्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। पहली बार नोडल अधिकारी बने अधिकारियों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने धान खरीदी नीति का गहन अध्ययन करने तथा किसी भी शंका के समाधान के लिए ग्रुप में चर्चा करने को कहा। साथ ही प्रत्येक सप्ताह मिलान अनिवार्य रूप से किया जाए और किसानों के रकबा समर्पण की प्रक्रिया समय पर सुनिश्चित की जाए। यदि कोई किसान पूरा बेच दिया तो तत्काल रकबा समर्पण कराए। समर्पण हेतु घोषणा पत्र प्रारूप खाद्य विभाग से जारी कर दें। खरीदी केंद्रों में कोचिया व बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। खरीदी के दौरान उपस्थित किसानों से उनके दस्तावेज और ऋण पुस्तिका की जांच अवश्य की जाए। कलेक्टर ने मिलर्स के साथ समन्वय बनाए रखने, समय पर धान उठाव सुनिश्चित करने और हमालों को समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए। किसी भी विवाद या समस्या की तत्काल सूचना संबंधित अधिकारियों को देने को कहा।

इस दौरान खाद्य अधिकारी अनुराग भदौरिया ने धान उपार्जन केंद्रों में गुणवत्तायुक्त धान की खरीदी, मानक आकार के स्टैक निर्माण, किस्मवार धान की स्टैकिंग, पुराने बारदाने के लेखांकन व मिलान और किसान टोकन तुंहर हाथ की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों से धान उपार्जन के समय मोटा, पतला और सरना के साथ-साथ उप-किस्मों का विवरण भी सॉफ्टवेयर में दर्ज किया जाए ताकि धान का सही वर्गीकरण हो सके। उप-किस्म के धान का भंडारण मानक स्तर के अनुसार किया जाए। मिलर्स से केवल जूट के बारदाने 40 किलोग्राम धान भराई के मान से ही प्राप्त किए जाएं। बारदाने अच्छे एवं उपयोग योग्य हों। खरीदी केंद्रों में शेड, पेयजल, शौचालय, हेल्थ डेस्क और इलेक्ट्रॉनिक कांटा जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से ग्रामीणों में बढ़ी जागरूकता

डोर-टू-डोर दी जा रही जानकारी और विशेष शिविर भी लगाए जा रहे

धमतरी, एजेंसी। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर ग्रामीणों में और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से धमतरी जिले के ग्राम पंचायत खिसोरा एवं नाथूकोन्हा (केरेगांव) में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार के तहत साप्ताहिक बाजार में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा तीन किलोवाट तक के सोलर पैनल लगाने पर आकर्षक अनुदान प्रदान किया जा रहा है।शिविर के दौरान ग्राम खिसोरा में दो ग्रामीणों ने स्थल पर ही पंजीयन कराया, वहीं अधिकांश ग्रामीणों ने फसल कटाई के बाद पंजीयन कराने का आश्वासन दिया। इसी प्रकार ग्राम नाथूकोन्हा (केरेगांव) में भी डोर-टू-डोर सर्वे कर 100 प्रतिशत सौर ऊर्जा योजना के लाभ के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि यह योजना बिजली बिल में बचत के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवार अपने घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर न केवल मुफ्त बिजली प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त विद्युत को ग्रिड में बेचकर आय भी अर्जित कर सकते हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत आज बस स्टैंड मेघा में आयोजित शिविर में लगभग 27 उपभोक्ताओं को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे जानकारी दी गई और स्थल पर ही 5 उपभोक्ताओं का पंजीयन किया गया।

शेष उपभोक्ताओं से भी सकारात्मक निर्णय लेने आश्वासन मिला। इसके साथ ही जनपद पंचायत कुरूद के द्वारा आयोजित ग्राम पंचायतो के सचिवों की समीक्षा बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सम्बंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कुरूद विकासखंड के 30 गांवों में लगेंगे शिविर, ग्रामीणों को सौर ऊर्जा से जोड़ने की पहल प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त योजना के तहत जिले में ग्रामीण उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से जोड़ने और योजना के लाभों की जानकारी देने के लिए छत्तीसगढ राज्य विद्युत वितरण कंपनी कुरुद संभाग अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विद्युत वितरण केंद्र कुरुद के अंतर्गत बीते 24 अक्टूबर से 7 नवम्बर 2025 तक कुल 30 ग्रामों में पीएम एसजीएम शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना की जानकारी दी जाएगी, जिसमें घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर प्रति माह 300 यूनिट तक बिजली निःशुल्क प्राप्त की जा सकती है। यह योजना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशभर में हर घर को स्वच्छ, सस्ती और आत्मनिर्भर ऊर्जा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक हुई संपन्न

जनहित के कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश, शासन की हर योजना का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में डीएमएफ मद से स्वीकृत नए और पुराने कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही पीएम पोर्टल, सीएम पोर्टल और जन शिकायत के लंबित प्रकरणों को एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सरगुजा संभाग स्तरीय खरीफ 2025 समीक्षा एवं रबी 2025-26 कार्ययोजना बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार द्वारा दिए गए निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने कृषि विभाग, वेटनरी विभाग, एग्रीकल्चर विभाग और हॉर्टिकल्चर विभाग के अधिकारियों को कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, आगामी रबी सीजन की तैयारी तथा शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी जिला पंचायत सीईओ एवं विभागीय अधिकारी कैलेंडर आधारित कार्ययोजना बनाकर उसका नियमित मॉनिटरिंग करें तथा भौतिक निरीक्षण भी सुनिश्चित करें। बैठक में खरीफ 2025 की प्रगति और रबी 2025-26 की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए धान के रकबे में कमी, फसल विविधीकरण, दलहन-तिलहन एवं मक्का फसलों के विस्तार, एग्री-स्टैक पोर्टल पंजीयन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, केसीसी ऋण वितरण, मिट्टी परीक्षण, बीज एवं उर्वरक वितरण तथा ऑयल पाम क्षेत्र विस्तार जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई।

कृषि, उद्यानिकी, वेटनरी और मछली पालन विभागों को मिले सख्त निर्देशः कलेक्टर ने कहा कि किसानों को धान के अतिरिक्त अन्य फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जाए तथा भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत दलहन और तिलहन फसलों के उपार्जन से अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने उद्यानिकी विभाग को शासकीय नर्सरी हेतु जमीन चिन्हांकन करने, आलू, प्याज एवं अदरक फसलों के प्रस्ताव भेजने तथा विभागीय भवन निर्माण के प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए। वेटनरी विभाग को ऋष्ठस् एवं ृढ्ढ प्रक्रिया में सुधार लाने, गोधन योजना के प्रस्ताव तैयार करने, ऑनलाइन एंट्री एवं टीकाकरण कार्य में तेजी लाने, आवारा पशुओं के प्रबंधन, ह्लष्ठढ्ढ लैब निर्माण तथा धरती आबा परिसर में बकरी पालन योजना के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

पुल निर्माण कार्य शुरू: चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध

कोंडागांव, एजेंसी। फरसगांव से पासंगी मार्ग पर एक नया पुल निर्माण कार्य शुरू होने के कारण यातायात व्यवस्था में अस्थायी परिवर्तन किया गया है।

निर्माण कार्य के चलते इस मार्ग पर चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिला प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। पासंगी और रांधना जाने वाले वाहन चालकों को चिचाड़ी या बोरगांव मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

एसडीएम फरसगांव अश्वन पुसाम ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान आमजन की सुरक्षा प्राथमिकता में है, इसलिए लोगों से अपील की गई है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और कार्य में सहयोग प्रदान करें। पुल निर्माण पूरा होने के बाद आवागमन सुचारू रूप से बहाल कर दिया जाएगा।

जनदर्शन में दिव्यांग मलसाय नेताम को तत्काल मिला राशन कार्ड

कोंडागांव, एजेंसी । कलेक्टर जनदर्शन के दौरान ग्राम सोडमा निवासी मलसाय नेताम की समस्या का समाधान तत्काल कर दिया गया। मलसाय बचपन से ही दिव्यांग हैं, परंतु उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कक्षा 10 तक की शिक्षा प्राप्त की। उनका परिवार मुख्यतः खेती पर निर्भर है। मलसाय अपने भाइयों के साथ घर के छोटे-मोटे कार्यों में सहयोग करते हैं। जनदर्शन के दौरान मलसाय ने राशन कार्ड न होने की समस्या कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के समक्ष रखी। कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए खाद्य विभाग के अधिकारी को निर्देश दिया कि उनका राशन कार्ड तुरंत तैयार कर उन्हें उपलब्ध कराएं। शासन की मंशा के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने मौके पर ही मलसाय नेताम को राशन कार्ड प्रदान किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप आज मलसाय को कलेक्टर जनदर्शन में राशनकार्ड मिलने से राहत मिली है। मलसाय ने तत्काल राशन कार्ड मिलने पर प्रसन्नता शासन प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त की।

जनदर्शन में कुल 39 आवेदन प्राप्तः साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला मुख्यालय के सभा कक्ष में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे नागरिकों की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित और प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में जिले के विभिन्न ग्रामों से आए ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और मांगें प्रस्तुत कीं। जनदर्शन में ग्राम सोड़सिवनी निवासी रामसिंह शोढी ने हेण्ड पम्प खनन की मांग की, ग्राम बड़े ओड़ागांव निवासी सुकूराम नाग ने सीसी रोड़ की मांग की, ग्राम मगेदा निवासी बसमन नेताम ने नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र की मांग की। इसके अलावा जनदर्शन में लगभग कुल 39 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राज्योत्सव : सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

पीवीटीजी आवासों मे सोलर पैनल लगवाने की कार्यवाही शीघ्रता से करें पूर्ण : कलेक्टर

कोरबा, एजेंसी। कलेक्टर अजीत वसंत ने समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाज एवं शासकीय कार्यो के क्रियान्वयन स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्य प्रगति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने टीएल के विभागवार लम्बित प्रकरणों की भी जानकारी लेते हुए शीघ्र निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने राज्योत्सव की तैयारियों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। विभागों द्वारा लगाए जाने वाले विभागीय स्टॉल, हितग्राहियों को प्रदान की जाने वाली सामग्री, चेक , सर्टिफिकेट इत्यादि की व्यवस्था भी समय पर पूर्ण करने की समझाइश दी। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्राप्त दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया।

कलेक्टर श्री वसंत ने सभी एसडीएम को अपने अनुविभाग स्तर के सभी हॉस्पिटल का निरीक्षण कर नर्सिंग होम एक्ट के सभी निर्धारित मानकों की संस्थान में जांच करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल में नर्सिंग होम एक्ट की सभी क्राइटेरिया पूरी होनी आवश्यक है। जिसका हॉस्पिटल प्रबंधन को व्यवस्था करना आवश्यक है। उन्होंने इस हेतु स्वास्थ्य विभाग को सम्मिलित कर एक टीम का गठन कर हॉस्पिटल का सघन जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही इन संस्थानों में विगत दिनों आयुष्मान कार्ड से हुए इलाजो के मरीजों से सम्पर्क कर उपचार का सत्यापन भी कराने निर्देशित किया। जिससे जिले में फर्जी आयुष्मान कार्ड के क्लेम पर नियंत्रण लगाया जा सके। उन्होंने बाल सम्प्रेक्षण गृह के निर्माण कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही साथ ही संस्थान का एसडीएम व डीपीओ को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में दो माह पूर्व डीएमएफ से स्वीकृत व अप्रारम्भ कार्यो की जानकारी तैयार करने हेतु सभी सीईओ जनपदों को निर्देशित किया, जिससे इन कार्यो को प्राथमिकता से प्रारम्भ किया जा सके। उन्होंने बंद हो चुकी शासकीय योजनाओं की बैंक खातों को शीघ्र ही बंद कराकर बचत राशि शासन के खाते में जमा कराने के निर्देश सभी विभागीय अधिकारियों को दिए।

उन्होंने रेडक्रॉस समिति को ब्लड डोनेशन वाहन उपलब्ध कराने की कार्यवाही भी यथाशीघ्र पूर्ण कराने के लिए कहा। कलेक्टर ने आत्मानंद विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति उपरांत जॉइनिंग नहीं करने वाले शिक्षकों के स्थान पर प्रतीक्षा सूची से मेरिट अभ्यर्थी को शीघ्रता से नियुक्ति प्रदान करने की बात कही। जिससे शेष शिक्षण सत्र में बच्चों की पढ़ाई बेहतर हो पाए।'साथ ही युकियुक्त करण के पश्चात वर्तमान में स्कूलों में जॉइनिंग करने वाले शिक्षकों की सर्विस बुक में अवकाश का समायोजन करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के पीवीटीजी बाहुल्य क्षेत्रों के पीवीटीजी आवासों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत सोलर पैनल लगवाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग को दिए।

कलेक्टर ने ई -ऑफिस कार्य प्रणाली लागू करने हेतु शेष विभागीय अधिकारियों को जल्दी से कार्यालय में ई- ऑफिस लागू करने एवं ई ऑफिस के माध्यम से ही फाइल आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यकता अनुसार कर्मचारियों को एनआईसी के माध्यम से तकनीकी प्रशिक्षण दिलाने के लिए कहा । उन्होंने जिले में उज्ज्वला योजना के तहत प्राप्त लक्ष्यों को पूर्ण करने हेतु एसडीएम एवं खाद्य अधिकारी को गम्भीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। आयुष विभाग को यथाशीघ्र पॉलिक्लिनिक में ओपीडी के साथ साथ आईपीडी सेवा प्रारम्भ करने हेतु निर्देशित किया। इस हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की बात कही।

बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों में समय सीमा के लंबित प्रकरणों का जांच कर निराकरण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा तन्मय खन्ना, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आरएसएस वालों को चप्पल मारने का कहने वाला गिरफ्तार

छतरपुर में वीडियो जारी कर बोला- वक्त आने दो, नाम और निशान मिटा देंगे

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में आरएसएस और संगठन पर अभद्र टिप्पणी की मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बाबूलाल चतुर्वेदी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह का वीडियो बताया गया। इसके आने के बाद हिंदू संगठन बजरंग दल और आरएसएस के कार्यकर्ता सिविल लाइन थाने पहुंचे और मामला दर्ज करवाया। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। दरअसल फरहान निजामी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया है। वीडियो सोशल मीडिया की इंस्टाग्राम आईडी और फेसबुक पर वायरल किया गया।

आरएसएस गैंग को चप्पल मारने की बात कही: वीडियो में उसने कहा कि देखो भैया यह आरएसएस की गैंग जा रही हम यहां आए थे शाखा चल रही थी वह हमें देखकर भाग गई है। वीडियो में उसने असभ्य भाषा बोलते हुए चप्पल मारने की बात की। उसने कहा कि वक्त आने दो नाम और निशान मिटा दिया जाएगा। उसने वीडियो में बोला कि आरएसएस गधों का झुंड है। मुझे यह समझ नहीं आता इन लोगों ने देश के लिए किया ही क्या है, न इन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी। सिविल लाइन थाना प्रभारी सतीश सिंह ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ भारतीय न्याय सहायता बीएनएस की धारा 2023 ,296,353(2) और सूचना औद्योगिकी संशोधन अधिनियम 67 2000 के तहत मामला दर्ज किया है।

विश्व हिंदू परिषद विभागीय मंत्री प्रखर भट्ट ने बताया कि: स्टेडियम में संघ की श्री राम तरुण व्यवसाई शाखा लगती है। सुबह एक फरहान निजामी नाम का लड़का आया उसने स्वयं से भी संगठन के लोगों के साथ गाली-गलौज की उसने जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने कहा व्यक्ति अवैध हथियार साथ में लिए हुए था शाखा से विवाद और शहर का माहौल खराब किया। उसने शाखा में भी गाली गलौज की लेकिन संगठन के लोगों ने कुछ नहीं कहा हम लोगों ने थाने में शिकायत की है। सीएसपी अरुण कुमार सोनी ने बताया कि संगठन के विरोध अपमानजनक और अभद्र भाषा का वीडियो सामने आया है आरोपी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर दिया है आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सागर में सामान्य से 7 डिग्री नीचे दिन का तापमान

रात का तापमान 19 डिग्री पर आया

सागर, एजेंसी। तीन वेदर सिस्टम के सक्रिय होने और मोंथा तूफान के असर से सागर का मौसम बदला हुआ है। पिछले चार दिनों से आसमान में बादलों का डेरा बना हुआ है। मंगलवार को सीजन का पहला कोहरा छाया, वहीं कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। बुधवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं और हल्की हवाएं चल रही हैं। बादल और हवाओं के कारण मौसम ठंडा हो गया है। रात में ठिठुरन महसूस हो रही है, इसलिए लोग अब गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकल रहे हैं। फिलहाल सागर का अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री सेल्सियस है। दिन का तापमान सामान्य से करीब 7 डिग्री कम दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर में एक डिप्रेशन एक्टिव है। जिससे एक ट्रफ मध्यप्रदेश के पास से गुजर रही है। वहीं उत्तरी हिस्से में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी सक्रिय है। इस कारण से प्रदेश समेत सागर में बादल छाए हैं और बारिश का दौर चल रहा है। दूसरी ओर मोंथा तूफान के असर से तेज हवा-आंधी की संभावना जताई गई है। 1 नवंबर तक मौसम ऐसा ही बना रहने का अनुमान बना हुआ है।

लोग बोले- अस्पताल के काम में सुधार आया

बुरहानपुर में राष्ट्रीय टीम को अस्पताल की समस्याएं भी बताईं; सरकार को जाएगी रिपोर्ट

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर जिला अस्पताल में बुधवार को राष्ट्रीय स्तर की एक टीम ने अस्पताल की सुविधाओं और संसाधनों का सर्वेक्षण किया। यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) के तहत किया जा रहा है। टीम ने मरीजों और उनके परिजनों से अस्पताल में दी जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली।

टीम ने इस दौरान मरीजों और उनके परिजनों से पिछले छह महीनों में सुविधाओं में आए अंतर के बारे में पूछा। कई मरीजों ने बताया कि अस्पताल की स्थिति पहले से काफी बेहतर हुई है, जबकि कुछ ने मामूली समस्याओं का भी जिक्र किया। टीम ने इन कमियों को दर्ज किया। टीम तीन दिनों तक बुरहानपुर में रहकर अस्पताल की गतिविधियों की जानकारी एकत्र करेगी और केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के लिए प्रदेश के केवल 12 जिले ही अर्हता प्राप्त कर पाए हैं, जिसमें बुरहानपुर जिला अस्पताल भी शामिल है। टीम ने ओपीडी से लेकर इनडोर स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं और जांच सुविधाओं का आकलन किया।इस टीम में डॉ. गोपाल एस कदम, डॉ. प्रीति पुनातर और डॉ. राजीव कुमार त्रिपाठी शामिल थे।

जिला अस्पताल से नवजात बच्ची की चोरी, चंबल अंचल में अब अस्पताल भी असुरक्षित

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्य प्रदेश के चंबल अंचल में लूटपाट, हत्या और अपहरण जैसी गंभीर आपराधिक घटनाएँ अब आम होती जा रही हैं। दुखद है कि अब तो इस क्षेत्र के अस्पताल परिसर भी सुरक्षित नहीं बचे हैं। हाल ही में, शिवपुरी के जिला अस्पताल में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहाँ सिर्फ एक दिन की नवजात बच्ची को चुरा लिया गया।

एक अज्ञात महिला ने खुद को आशा कार्यकर्ता बताकर प्रसूता और उसके परिवार से विश्वास बनाया और फिर बच्ची को लेकर भाग गई। यह घटना बुधवार की तड़के सुबह कोतवाली थाना क्षेत्र के जिला अस्पताल में हुई।

मुख्य बातें और पुलिस की कार्रवाई:-

पुलिस अधीक्षक द्वारा 30,000 के इनाम की घोषणा से इलाके में हड़कंप मच गया है।

बच्ची को ले जाती हुई महिला सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

महिला की तलाश में बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन सहित सभी संभावित जगहों पर तलाशी अभियान जारी है।

महिला ने अपना नाम लता आदिवासी बताया था।

घटना का विवरण:-

बामौरकलां के विशुनपुरा गाँव की रोशनी पत्नी सुनील आदिवासी (उम्र 23) को प्रसव के लिए 27 अक्टूबर को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। 27-28 अक्टूबर की रात लगभग 1:56 बजे उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया। गंभीर स्थिति के कारण उन्हें मेटरनिटी विंग के एचडीयू वार्ड में रखा गया था।

राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जयंती धूमधाम से मनी, कामेश शिवहरे बने युवा जिलाध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। हयवंशीय कलचुरी (शिवहरे) समाज के आराध्य देव राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जयंती 28 अक्टूबर (मंगलवार, 2025) को शिवपुरी में अपार उत्साह और धूमधाम के साथ मनाई गई। समाज के सभी बंधुओं ने इस अवसर पर एकजुटता और भक्ति का भव्य प्रदर्शन किया।

भव्य शोभायात्रा एवं महाआरती: जयंती समारोह की शुरुआत दोपहर 2 बजे हुई, जब शिवहरे समाज के लोग मानस भवन पर एकत्रित हुए और एक विशाल रैली/शोभायात्रा निकाली। यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी चौराहे पर पहुँची। यहाँ समाजबंधुओं और अतिथियों ने भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की प्रतिमा का विधि-विधान से पूजन एवं महाआरती की। इस दौरान भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जय के नारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा।

मेधावी छात्र-छात्राओं एवं नवनियुक्त अधिकारियों का सम्मान: आरती के पश्चात सभी लोग मानस भवन पहुँचे, जहाँ एक गरिमापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज की प्रगति और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

सम्मान: उन सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने 10वीं और 12वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर समाज एवं परिवार का नाम रोशन किया है।

इसके अतिरिक्त, हाल ही में शासकीय सेवा में नवनियुक्त हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को भी अतिथियों एवं समाज बंधुओं द्वारा सम्मानित किया गया, ताकि अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिल सके।

महिलाएं एसडीएम से मिलीं, अवैध शराब बिक्री रोकने की मांग

कहा-इससे युवा नशे के शिकार हो रहे, घरों में मारपीट-विवाद के मामले बढ़ें

बालाघाट, एजेंसी। बालाघाट जिले में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ दो गांवों की महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंचीं। उन्होंने एसडीएम को आवेदन सौंपकर गांव में शराब का अवैध विक्रय बंद कराने और गांवों को नशामुक्त बनाने की मांग की। महिलाओं ने अवैध शराब बेचने वालों के नाम भी प्रशासन को बताए।

गांवों को नशामुक्त बनाने के लिए प्रशासनिक सहयोग की मांग: भरवेली थाना क्षेत्र के पाथरवाड़ा और रामपायली थाना क्षेत्र के दीनी गांव की ये महिलाएं अपने गांवों को नशामुक्त बनाने के लिए प्रशासनिक सहयोग मांगने आई थीं। उन्होंने बताया कि अवैध शराब की बिक्री से गांव का माहौल खराब हो रहा है।पाथरवाड़ा गांव की सरपंच सतरूपा धामड़े ने बताया कि गांव में अवैध शराब की बिक्री से युवा नशे के शिकार हो रहे हैं। शराबी घर में महिलाओं के साथ मारपीट करते हैं, जिससे गांव में भी विवाद की स्थिति पैदा होती है और शांति भंग होने का खतरा रहता है। दीनी गांव से पहुंचीं तुरजा उपवंशी ने जानकारी दी कि उनके गांव में लगभग एक दर्जन लोग कच्ची और पक्की शराब बेच रहे हैं, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नशामुक्ति संगठन ने शराब बेचने वालों पर 11 हजार रुपए और पीने वालों पर 3 हजार रुपए का जुर्माना तय किया है।उपवंशी ने यह भी बताया कि कुछ लोगों को पुलिस की मदद से पकड़वाया भी गया है, लेकिन इसके बावजूद गांव में अवैध शराब की बिक्री पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है।

नर्मदापुरम में नहर में आए मगरमच्छ का रेस्क्यू

5 फीट लंबे मगरमच्छ को तीन घंटे में पकड़ा

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम के तवानगर क्षेत्र के कोठा गांव के पास नहर में मंगलवार शाम मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। जानकारी मिलते ही फॉरेस्ट विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तीन घंटे की मशक्कत के बाद पांच फीट लंबे मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़कर रात में तवा डैम में छोड़ दिया गया। तवा डैम के गेट खोलने के बाद नहर में पानी छोड़ा गया था। पानी के तेज बहाव के साथ मगरमच्छ भी बहकर नहर में आ गया। उसे देखकर ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना फॉरेस्ट विभाग को दी।

तीन घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन: सूचना पर इटारसी रेंजर स्टाफ और एसडीओ मानसिंह मरावी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू के लिए टीम को मंगलवार शाम 5 बजे नर्मदापुरम से बुलाया गया। रेस्क्यू प्रभारी वीरेंद्र सुलेखिया और फॉरेस्ट कर्मियों ने मिलकर जाल डाला और रात करीब 8 बजे मगरमच्छ को पकड़ लिया। इसके बाद रात 9 बजे उसे सुरक्षित रूप से तवा डैम में छोड़ा गया।

मंदसौर में नकली नोट मिले, तीन आरोपी गिरफ्तार

38 हजार रुपए कीमत के 76 नकली नोट बरामद

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर के वायडी नगर थाना क्षेत्र की मुल्तानपुरा चौकी पुलिस ने 38,000 रुपए कीमत के 76 नकली नोट जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर की गई। चौकी प्रभारी कपिल सोराष्टीय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एमआईटी चौराहा, दाऊतखेड़ी रोड स्थित काका टी स्टॉल पर दबिश दी। यहां से निसार हुसैन (36, निवासी बोतलगंज, मंदसौर), रियाज नियारगर (38, निवासी पिपलियामंडी, मंदसौर) और दीपक कुमार (42, निवासी भीलवाड़ा, राजस्थान) को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान, तीनों आरोपियों के पास से भारतीय मुद्रा जैसे दिखने वाले कुल 76 नकली नोट बरामद हुए। इन नोटों की कुल कीमत 38,000 रुपए बताई गई है। वायडी नगर थाने में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 179 और 180 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। टीआई संदीप मंगोलिया ने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों का रिमांड प्राप्त कर लिया है। उनसे नकली नोटों के स्रोत और इस गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों के बारे में गहन पूछताछ की जा रही है।

दमोह में ज्वेलरी शॉप के बेसमेंट से जुआ पकड़ा गया, 9 गिरफ्तार

दमोह, एजेंसी। मध्यप्रदेश के दमोह जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए टंडन बगीचा स्थित प्रसिद्ध ज्वेलरी शॉप श्रीनाथ ज्वेलर्स के बेसमेंट में चल रहे जुआ फड़ का भंडाफोड़ किया है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी मनीष कुमार के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में नौ जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा गया। उनके पास से एक लाख रुपये से अधिक नकद राशि, 7-8 मोबाइल फोन और कई वाहन बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया एवं सीएसपी एच.आर. पांडे के निर्देशन में की गई। पुलिस ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि उक्त ज्वेलरी शॉप के बेसमेंट में लंबे समय से जुआ खेला जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद टीम ने योजना बनाकर छापा मारा और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए जुआरियों में कई स्थानीय व्यापारी और चर्चित व्यक्ति शामिल हैं। विशेष रूप से, नगर पालिका परिषद दमोह के एक कर्मचारी तथा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष के पति का नाम भी इसमें शामिल बताया गया है, जिससे मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। थाना प्रभारी मनीष कुमार ने कहा कि शहर में इस तरह की अनैतिक गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में जुआ, सट्टा और अन्य गैरकानूनी कार्यों में लिप्त लोगों पर इसी तरह की कार्रवाइयाँ आगे भी जारी रहेंगी। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

खरगोन में सनावद रोड पर बस में लगी आग

खरगोन, एजेंसी। खरगोन में मंगलवार रात करीब 8:30 बजे सनावद रोड पर मां शारदा ट्रेवल्स की एक बस में अचानक आग लग गई। यह घटना पुलिस पेट्रोल पंप के पास हुई। बस खाली होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। नगरपालिका के दमकल विभाग को सूचना दी गई, जिसके बाद दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। हालांकि, बस को काफी नुकसान पहुंचा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बस की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी।

पेट्रोल पंप पर मौजूद कर्मचारियों ने आग बुझाने के लिए फायर सेफ्टी यंत्र का उपयोग किया। लोगों ने भी अपने स्तर पर प्रयास किए। जैतापुर थाना प्रभारी सुदर्शन कलोसिया ने बताया कि पेट्रोल पंप के पास खड़ी बस में शार्ट सर्किट के कारण आग लगी थी, जिसे समय रहते काबू पा लिया। घटना में कोई भी जनहानि नहीं हुई है। बस का अंदरूनी हिस्सा आग की चपेट में आ गया। धुएं के गब्बर उठने से सनावद रोड पर वाहन चालकों को परेशानी हुई। धुआं फैलने से कुछ समय आवगमन प्रभावित हुआ।

किसान ने खेत में पेड़ पर फांसी लगाई,श्योपुर में बारिश से धान की फसल खराब होने से परेशान था; ग्रामीणों ने शव रखकर चक्काजाम किया

श्योपुर, एजेंसी। श्योपुर के सिरसोद गांव में बुधवार को एक किसान ने आत्महत्या कर ली। शव खेत में पेड़ पर फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान कैलाश मीणा (50) के रूप में हुई है। परिजन सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वे मुआवजे की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कैलाश मीणा ने करीब 9 बीघा में धान की खेती की थी। पिछले तीन दिन से हो रही लगातार बारिश के कारण खेत में लगी पूरी फसल पानी में सड़ने लगी थी। कीमती बीज, खाद और मेहनत से उगाई गई फसल के नुकसान से कैलाश काफी परेशान था।

ग्रामीण शव उतारकर अस्पताल ले गए: परिजनों ने बताया कि कैलाश सुबह घर से खेत के लिए निकला था। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने उसे खेत में एक पेड़ से लटका हुआ देखा। वे शव को नीचे उतारकर जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने कैलाश को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव का पोस्टमॉर्टम कराया है।

विधायक ने 50 लाख मुआवजे की मांग की: प्रशासन और पुलिस अधिकारी जब एम्बुलेंस से शव गांव ले जा रहे थे, तभी श्योपुर कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल अपने कार्यकर्ताओं के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने किसान के परिजनों से मुलाकात की और प्रशासन से मृतक के परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की। विधायक ने कहा कि जिले में लगातार बारिश से किसानों की स्थिति खराब हो गई है और सरकार को तत्काल राहत के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। अस्पताल से शव को एम्बुलेंस के माध्यम से घर भेजने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन विधायक और उनके समर्थकों ने एम्बुलेंस को रोकते हुए कहा कि जब तक उचित मुआवजे की घोषणा नहीं की जाती, तब तक शव नहीं ले जाने देंगे। पुलिस प्रशासन ने उन्हें समझाया, इसके बाद शव को गांव ले जाया गया।

शव को बीच रास्ते में रखकर किया चक्काजाम: गांव पहुंचते ही किसान के शव को बीच रास्ते में रखकर ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मुआवजा देने की मांग पर अड़ गए हैं। धरनास्थल पर विधायक बाबू जंडेल सहित कांग्रेस के नेता, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ स्थानीय किसान भी मौजूद हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक सरकार उचित आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने के संबंध में ठोस घोषणा नहीं करती, तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात: घटना स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन किसानों को समझाने की कोशिश कर रहा है। एसडीएम और तहसील प्रबंधन की टीम ग्रामीणों से लगातार बातचीत कर समाधान निकालने में जुटी है।

दमोह : भीषण सड़क हादसा, आटो-बोलेरो की टक्कर में एक महिला की मौत

दमोह, एजेंसी। मध्य प्रदेश के दमोह जिला मुख्यालय से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर नये दमोह दमयंती नगर दमोह कटनी वायपास पर एक भीषण सडक हादसे में एक महिला की मौत हो गयी, जबकि लगभग 11 लोग घायल हो गये। जानकारी के अनुसार बुधवार को लगभग 2 बजे हुये सड़क दुर्घटना में मृत महिला का नाम श्रीमती बती बाई पति महराज सिंह उम्र 60 बर्ष बताया जा रहा है। आटो में सवार होकर यह सभी समीप के किसी गांव में किसी परिजन की मृत्युहोने की सूचना पर जा रहे थे सभी राजा पटना ग्राम के निवासी हैं। सूचना मिलते ही 108 एवं 112 की मदद से सभी को जिला चिकित्सालय लाया गया जिनका ईलाज चल रहा है, जबकि पुलिस मामले की जांच में लगी हुई है सूचना मिलते ही अनुविभागीय दण्डाधिकारी आर.एल.बागरी जिला चिकित्सालय पहुंचे एवं घायलों के साथ चिकित्सकों से जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बतायी जा रही है जिला प्रशासन एवं चिकित्सकों का दल अगली कार्यवाई को लेकर चर्चा में लगा है।

टोंक के दिव्यांग क्रिकेटर शहजान खान का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

टोंक, एजेंसी। टोंक के एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले दिव्यांग क्रिकेटर शहजान खान ने अपने अथक प्रयासों और मेहनत से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। शहजान ने राजस्थान टीम की दिव्यांग टीम में अपनी जगह पक्की की और तमिलनाडु में आयोजित राष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार मैचों में 6 विकेट लिए। कोच इम्तियाज अहमद की भूमिका शहजान को तेज गेंदबाजी के गुर सिखाने वाले कोच इम्तियाज अहमद ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें तेज गेंदबाज के रूप में तैयार किया। शहजान के चयन से टोंक में खुशी की लहर है और उनके कोच इम्तियाज अहमद ने उनकी सफलता का श्रेय उनकी मेहनत और समर्पण को दिया है।

राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए चयन

शहजान का चयन राष्ट्रीय स्तर पर मुंबई, महाराष्ट्र में होने वाले टूर्नामेंट के लिए किया गया है, जो 5 से 7नवंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में शहजान राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे और अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी टीमों को चुनौती देंगे।

परिवार और कोच की खुशी

शहजान के परिवार और कोच इम्तियाज अहमद ने उनके चयन पर खुशी जताई है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शहजान की इस सफलता से टोंक के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी और वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित होंगे।

पेरिस मास्टर्स : फिट्ज ने वुकिक को हराया, नॉरी ने अल्काराज के खिलाफ दर्ज की जीत

पेरिस, एजेंसी। पेरिस मास्टर्स में टेलर फिट्ज ने ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर वुकिक को 7-6(4), 6-2 से शिकस्त दी। 96 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ फिट्ज ने एटीपी फाइनल के दावेदारों में बढ़त बनाए रखी है। पिछले साल के यूएस ओपन फाइनलिस्ट टेलर फिट्ज इस सीजन में विंबलडन सेमीफाइनल और यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंचे थे। उन्हें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के खिलाफ किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। टेलर फिट्ज ने बेहतर सर्विस करने के साथ बेहतर रिटर्न किए। इस बीच एलेक्जेंडर वुकिक की सर्विस दो बार तोड़ी। अपनी सर्विस पर उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। अब फिट्ज तीसरे दौर में 13वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक और फ्रांसीसी खिलाड़ी कोरेंटिन मौटेट के बीच मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। मंगलवार को ट्यूरिन के अन्य दावेदार बेन शेल्टन, फेलिक्स ऑगर एलियासेम और डेनियल मेदवेदेव ने भी जीत हासिल की। इसी के साथ फिट्ज ने सुनिश्चित किया है कि वह एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में पांचवें स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई करने की कतार में बने रहें। दूसरी ओर, कैमरून नॉरी ने वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया पहला टी-20 बारिश के कारण बेनतीजा, केवल 58 गेंदों का खेल हुआ

कैनबरा, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टी-20 सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा। कैनबरा में बुधवार को बार-बार हो रही बारिश के कारण दो बार खेल रोकना पड़ा। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 31 अक्टूबर को मेलबर्न में खेला जाएगा।

आखिरी बार जब खेल रोका गया था, तब भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9.4 ओवर में एक विकेट खोकर 97 रन बना लिए थे। शुभमन गिल 37 और कप्तान सूर्यकुमार यादव 39 रन पर नाबाद रहे। अभिषेक शर्मा 19 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नाथन एलिस ने टिम डेविड के हाथों कैच कराया।

इससे पहले टीम इंडिया को 3 वनडे की

सीरीज में 1-2 की हार झेलनी पड़ी, टीम ने सिडनी वनडे 9 विकेट से जीता था। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने 121 और विराट कोहली ने 74 रनों की नाबाद पारियां खेली थीं। मैच का स्कोरबोर्ड

प्लेइंग-11

भारत- अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह।

ऑस्ट्रेलिया- मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), टिम डेविड, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप, मार्कस स्टोयनिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नेमन, जोश हेजलवुड।

टी20 सीरीज : पाकिस्तान के खिलाफ उसी की सरजमीं पर इतिहास रच गई साउथ अफ्रीकी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए टी20 मैच जीतने वाला पहला देश बन गया है। इस टीम ने मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच को 55 रन से अपने नाम किया। इस मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 194 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तान 18.1 ओवरों में महज 139 रन पर सिमट गया। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में अब तक पाकिस्तान ने 9 में से 4 मैच जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड की टीम 5 में से 2 मुकाबले अपने नाम कर चुकी है। इन सभी मुकाबलों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीत दर्ज नहीं कर सकी। इनके अलावा, जिम्बाब्वे ने यहां 3 टी20 मैच खेले, जिसमें एक भी जीत नसीब नहीं हुई।

28 अक्टूबर को खेले गए इस मुकाबले की बात करें, तो साउथ अफ्रीका को रीजा हेंड्रिक्स और क्विंटन डी कॉक ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 3.5 ओवरों में 44 रन की साझेदारी की।

क्विंटन ने 13 गेंदों में 23 रन की पारी खेली। वहीं, रीजा 40 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा, टोनी डी जोरजी ने 33, जबकि जॉर्ज लिंडे ने 36 रन का योगदान साउथ अफ्रीका के खाते में दिया।

विपक्षी टीम की ओर से मोहम्मद नवाज ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि सईम अयूब ने 2 सफलताएं अपने नाम कीं।

इसके जवाब में पाकिस्तान ने 31 के स्कोर पर साहिबजादा फरहान (24) का विकेट गंवाया, जिसके बाद विकेट निरंतर अंतराल पर गिरते रहे। पाकिस्तान की ओर से सईम अयूब ने सर्वाधिक 37 रन बनाए, जबकि मोहम्मद नवाज ने 36 रन की पारी खेली। कॉर्बिन बॉश ने साउथ अफ्रीका के लिए 4 विकेट निकाले, जबकि जॉर्ज लिंडे ने 3 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, लिजाद विलियम्स ने 2 सफलताएं अपने नाम कीं।

डीएफबी कप : पेनाल्टी शूटआउट में डॉर्टमुंड की जीत, अंतिम-16 में जगह पक्की

बर्लिन, एजेंसी। बोरुसिया डॉर्टमुंड ने आइंट्राच्ट फ्रैंकफर्ट को शिकस्त देकर डीएफबी कप के अंतिम-16 में प्रवेश किया है। इस टीम ने मंगलवार को फ्रैंकफर्ट के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ के बाद पेनाल्टी शूटआउट में मुकाबला अपने नाम किया। फ्रैंकफर्ट की टीम इस मुकाबले के 7वें मिनट में ही आगे निकल गई थी। डॉर्टमुंड के पूर्व विंगर अंसगर नॉफ ने मारियो गोत्जे की थ्रो बॉल पर गोल दागा। फ्रैंकफर्ट की जबरदस्त शुरुआत ने मेहमान टीम को परेशानी में डाल दिया था। इस टीम ने बार-बार गेंद पर कब्जा जमाया, लेकिन लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती नजर आई। कुछ मौके जरूर बने, लेकिन गोल नहीं हो सका। इस बीच ग्रेगर कोबेल ने हाफटाइम से पहले दो बार फारेस चाइबी और रित्सु दोआन को गोल करने से रोका।

हाफ टाइम के बाद डॉर्टमुंड ने आक्रामकता दिखाई। इस टीम ने दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद (48वें मिनट) ही बराबरी कर ली। जूलियन रायर्सन के दाई ओर से निचले क्रॉस पर जूलियन ब्रांट ने बराबरी का गोल दागा। मुकाबले का नतीजा पेनाल्टी शूटआउट में तय हुआ। डॉर्टमुंड के ब्रांट, बायर, सबित्जर और रायर्सन ने अपने-अपने शॉट्स को गोल में बदला। डोअन का प्रयास क्रॉसबार के ऊपर चला गया और कोबेल ने चाइबी का शॉट रोकते हुए टीम को 4-2 की शूटआउट जीत दिलाई।

इस नतीजे के साथ डॉर्टमुंड ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। उसने अपनी अपराजित लय बरकरार रखी है। पूरे समय अनुशासित रक्षात्मक प्रदर्शन करने वाला फ्रैंकफर्ट अब अगले हफ्ते बुंडेसलीगा में हीडेनहाइम की मेजबानी करेगा, जबकि डॉर्टमुंड शुक्रवार को ऑग्सबर्ग का दौरा करेगा।

रोमांचक जीत के बाद बोरुसिया डॉर्टमुंड के मैनेजर कोवाक ने कहा, ÷मुकाबले का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से निकालना पड़ा, क्योंकि दोनों टीमों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। फ्रैंकफर्ट ने हमारे लिए इस मुकाबले को बहुत मुश्किल बना दिया था। आखिरकार थोड़ी किस्मत हमारे साथ रही। हम जीत गए, और यही मायने रखता है।

राजस्थान क्रिकेट संकट में : सदस्यों ने तानाशाही निर्णय के खिलाफ RCSCPA में शिकायत दर्ज की, जाँच के आदेश

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान क्रिकेट जगत में एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। राजस्थान क्रिकेट संघ के सदस्यों ने संघ की तदर्थ समिति के संयोजक दीनदयाल कुमावत के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए एकपक्षीय निर्णय लेने और मनमाने तरीके से संघ का संचालन करने की शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् (RCSCPA), जयपुर में दर्ज की गई है। बता दें कि 22 अक्टूबर 2025 को राजस्थान क्रिकेट संघ के तदर्थ समिति के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से यह शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संयोजक दीनदयाल कुमावत ने 26 जून 2025 के चुनाव परिणाम को स्वीकार करने और कार्यकारिणी लागू करने को लेकर पाँच सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन किया था, लेकिन इसके बावजूद वे एकपक्षीय निर्णय (आदेश, निर्देश व वित्तीय) ले रहे हैं और संघ का संचालन मनमाने ढंग से कर रहे हैं। शिकायत में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उनके द्वारा लिए गए निर्णय लोकतांत्रिक निर्णय से संबंध नहीं बताते। RCSCPA ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। शासन सचिव (समन्वय) डॉ. नीरज पवन द्वारा जारी कार्यादेश के अनुसार, संघ के विरुद्ध लगे गंभीर आरोपों को देखते हुए इसकी जाँच और निस्तारण के लिए एक उच्च स्तरीय तदर्थ समिति का गठन किया गया है। जाँच समिति में सुनील माटी (सचिव, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद), जयपुर को नोडल समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। यह समिति राजस्थान क्रिकेट में खेल और खिलाड़ियों के हितों की रक्षा के लिए तदर्थ समिति के सदस्यों द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जाँच करेगी। RCSCPA ने आदेश दिया है कि तदर्थ समिति के संयोजक सहित अन्य पक्षों को सात दिनों के भीतर इस संबंध में अपनी उचित और विधि सम्मत कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत करें। इस कदम से स्पष्ट है कि राज्य सरकार खेल प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए गंभीर है। यह विवाद राजस्थान क्रिकेट संघ के आंतरिक प्रशासन पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

श्रेयस अय्यर की हालत स्थिर, बीसीसीआई ने क्रिकेटर की इंजरी पर दी अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए वनडे सीरीज के तीसरे मैच में कैच लपकने के दौरान इंजर्ड हो गए थे। इंजरी गंभीर थी और उन्हें कुछ समय के लिए आईसीयू में रखा गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अय्यर की इंजरी पर अपडेट दिया है और उनकी स्थिति को स्थिर बताया है। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, श्रेयस अय्यर के पेट में गंभीर चोट लगी थी, जिसकी वजह से उन्हें आंतरिक रक्तस्राव भी हुआ था। चोट की तुरंत पहचान कर ली गई। इलाज के बाद रक्तस्राव तुरंत बंद हो गया। उनकी हालत अब स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। मंगलवार को दोबारा किए गए स्कैन में उनकी इंजरी में काफी सुधार दिखा है। बोर्ड की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के परामर्श से, उनकी प्रगति पर नजर रखेगी। बोर्ड ने बताया कि पहले श्रेयस की इंजरी को पसलियों की समस्या माना जा रहा था, लेकिन इंजरी अनुमान से ज्यादा गंभीर थी। स्कैन में तिल्ली में चोट का पता चला है, जिसके कारण अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। अय्यर अब आईसीयू से बाहर हैं।

श्रेयस अय्यर पूर्व में भी इंजरी की वजह से लंबे समय तक क्रिकेट से बाहर रहे हैं। उम्मीद है, इस इंजरी से वे जल्द ही रिकवर करेंगे और क्रिकेट के मैदान पर वापस आएंगे। अय्यर फिलहाल सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते नजर आते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वह ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए थे। सीरीज के पहले वनडे में उनका बल्ला नहीं चला था। लेकिन, दूसरे वनडे में अय्यर ने 61 रन की अहम पारी खेली और तीसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ 118 रन की साझेदारी कर 17 रन पर 2 विकेट गंवा चुकी भारतीय टीम को 264 रन तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

रोहित शर्मा ने तोड़ा रिकॉर्ड, गिल को पछाड़ वनडे रैंकिंग में बने नंबर 1 बल्लेबाज

सिडनी, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को एक नया इतिहास रच दिया। 38 वर्ष और 182 दिन की उम्र में वे ICC वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल करने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गए हैं। रोहित ने अपने साथी खिलाड़ी शुभमन गिल को पीछे छोड़ते हुए पहली बार अपने करियर में यह मुकाम हासिल किया।

एडिलेड और सिडनी में धमाकेदार प्रदर्शन: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज में रोहित के दो शानदार प्रदर्शन इस ऐतिहासिक उपलब्धि की नींव बने।

एडिलेड वनडे में उन्होंने 97 गेंदों पर 73 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली, जबकि सिडनी में तीसरे वनडे में उन्होंने 125 गेंदों पर नाबाद 121 रन ठोककर भारत को सीरीज जीत दिलाई। इन पारियों से उन्हें 36 रेटिंग अंक मिले और उनका स्कोर 745 से बढ़कर 781 हो गया, जिससे उन्होंने गिल को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।

पांचवें भारतीय बने नंबर 1 बल्लेबाज: रोहित शर्मा अब सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, विराट कोहली और शुभमन गिल के बाद वनडे रैंकिंग में नंबर 1 बनने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। यह उपलब्धि उनके करियर को नई ऊंचाई पर ले जाती है और उनकी स्थिरता व निरंतरता का प्रमाण है।

गिल और कोहली की रैंकिंग में गिरावट

इस बीच शुभमन गिल की हालिया खराब फॉर्म के कारण उनकी रैंकिंग में गिरावट आई है। उन्होंने तीन मैचों में क्रमशः 10, 9 और 24 रन बनाए और अब वे तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। विराट कोहली, जिन्होंने सिडनी में 74 रन बनाए, एक स्थान गिरकर छठे नंबर पर पहुंच गए।

श्रेयस अय्यर टॉप-10 में शामिल

भारतीय बल्लेबाजी क्रम के लिए एक और सकारात्मक खबर यह रही कि श्रेयस अय्यर एक स्थान ऊपर चढ़कर 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

'हिटमैन' का सुनहरा पल

यह पहला मौका है जब रोहित शर्मा ने अपने करियर में वनडे रैंकिंग का शीर्ष स्थान हासिल किया है। 2023 विश्व कप फाइनल तक भारत का नेतृत्व करने और हालिया सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने के बाद, उन्होंने एक बार फिर साबित किया है कि उम्र प्रतिभा और समर्पण के आगे कोई मायने नहीं रखती।

क्लच शतरंज चैम्पियन शोडाउन : गुकेश नें किया नाकामुरा से हिसाब बराबर बनाई एकल बढ़त

सेंट लुईस यूएसए। यूएसए शतरंज की राजधानी सेंट लुईस में क्लच शतरंज चैम्पियन शोडाउन में दुनिया के चार दिग्गज खिलाड़ी वर्तमान विश्व चैम्पियन भारत के डी गुकेश, पाँच बार के पूर्व विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मैगनस कार्लसन, दुनिया के वर्तमान नंबर 2 और नंबर 3 खिलाड़ी यूएसए के हिकारु नाकामुरा और फबियानों करूआना के बीच मुक़ाबला शुरू हो गया है और अपने सभी आलोचको को करारा जबाब देते हुए गुकेश नें पहले दिन के खेल के बाद एकल बढ़त हासिल कर ली है। विश्व चैंपियनशिप डी गुकेश नें पहले दिन खेले गयी छह रैपिड बाजियों में 3 जीत 2 ड्रॉ और एक हार के साथ सर्वाधिक 4 अंक बनाते हुए एकल बढ़त हासिल कर ली है। गुकेश नें इस दौरान कार्लसन से 0.5 -1.5, नाकामुरा से 1.5-0.5 और करूआना से 2-0 का परिणाम हासिल किया। कार्लसन के खिलाफ गुकेश पहली बाजी ही जीतने के बेहद करीब पहुँच गए थे पर अंत में टाइम प्रेसर में खेल हार गए और उनकी दूसरी बाजी बेनतीजा रही पर उसके बाद गुकेश नें शानदार वापसी की और कुछ दिन पहले एक प्रदर्शनी मुक़ाबले मे उनका राजा हवा मे उछालने वाले यूएसए के हिकारु नाकामुरा को काले मोहरे से एक बेहतरीन बाजी खेलते हुए मात दी और अगली बाजी ड्रॉ खेलेते हुए स्कोर 1.5-0.5 से अपने पक्ष मे कर लिया पर उनका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन आया विश्व नंबर 3 फबियानों करूआना के खिलाफ जहां उन्होने दोनों ही बाजियों मे करूआना को पराजित करते हुए 2-0 से जीत दर्ज की। पहले दिन के खेल के बाद गुकेश 4 अंक, कार्लसन 3.5 अंक, नाकामुरा 3 अंक और करूआना 1.5 अंक बनाकर खेल रहे है।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में लापरवाही नहीं करें : कलेक्टर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में कतई लापरवाही नहीं करें। विभाग प्रमुख अधिकारी शिकायतों को स्वयं देखें और कृत कार्यवाही की जानकारी पोर्टल पर अपलोड कराये। उन्होंने समाधान आनलाइन में मैहर जिले की शामिल हुई दो शिकायतों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन शिकायतों में कार्यवाही भौतिक रूप से की जा चुकी थी। लेकिन की गई कार्यवाही प्रतिवेदित नहीं होने से समाधान में आ गई। कलेक्टर ने कहा कि दो दिवस के भीतर जिला अधिकारी शिकायतों का निराकरण स्वयं देखे और निम्न गुणवत्ता के निराकरण के जबाव को सुधारे। अगले 2 नवम्बर को सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा पुन: की जायेगी और सुधार नहीं आने पर जिला अधिकारी का एक दिवस का वेतन काट दिया जायेगा। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने धरती आबा अभियान, स्थापना दिवस मनाने की तैयारी, दीपोत्सव की तैयारी, सीएम, सीएस मानिट के प्रकरण, जनआकांक्षा पोर्टल के समय-सीमा प्रकरण और जनसुनवाई के प्रकरणों की समीक्षा भी की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर संजना जैन, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम दिव्या पटेल, डॉ. आरती सिंह, एसपी मिश्रा, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे, जिला संयोजक आदिम जाति अरूण शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, सीईओ जनपद एमएल प्रजापति, वेदमणि मिश्रा, अशोक तिवारी, सीएमओ सुषमा मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि बहुत कम अंतर से मैहर जिले के विभाग ए श्रेणी में आने से चूक गये हैं। अगली बार की ग्रेडिंग में प्रयास करें कि सभी विभाग ए श्रेणी में आये। अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को स्वयं पढे और निराकरण के जबाव को भी देखे। धरती आबा अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने चयनित गांवों में योजनाओं के हितलाभ दिलाने के लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि चयनित गांवों में आधारकार्ड, जाति प्रमाण पत्र आयुष्मान कार्ड तथा बच्चों के आधार कार्ड बनाने का शेष कार्य एक-दो दिन में पूर्ण करें। चयनित गांवों में सिकल सेल एनीमिया की जांच भी शीघ्र पूरी कराये। सीएम मानिट, सीएस मानिट और आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज समय-सीमा पत्रकों में निराकरण की कार्यवाही तय समय-सीमा में करते हुए पोर्टल पर जबाव अपलोड करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये।

बस स्टैंड में चाकूबाजी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, झगड़े के बाद युवक पर किया था हमला; कोर्ट ने भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बस स्टैंड इलाके में सोमवार तड़के हुई चाकूबाजी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। कोलगवां थाना पुलिस ने जान से मारने की नीयत से हमला करने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक सुदीप सोनी के नेतृत्व में की गई।

घटना 27 अक्टूबर की सुबह करीब 4 बजे की है। फरियादी प्रिंस गुप्ता निवासी टिकुरिया टोला अपने दोस्तों के साथ बस स्टैंड के पास चाय पीने गया था। वहां मौजूद स्वप्निल यादव और उसके साथी ने पूछताछ के बहाने युवकों से झगड़ा शुरू कर दिया। यह जानने पर कि वे टिकुरिया टोला के हैं, दोनों ने गालियां दीं और मारपीट पर उतर आए।

बटन वाले चाकू से हमला, तीन घायल: विवाद बढ़ने पर आरोपी स्वप्निल यादव ने जेब से बटन वाला चाकू निकालकर विजय गुप्ता उर्फ हैप्पी के हाथ में वार कर दिया। बीच-बचाव करने आए अनिकेत तिवारी और कार्तिक विश्वकर्मा भी चाकू से घायल हो गए। तीनों के हाथ और पीठ में गहरे घाव आए।

दोनों आरोपी जेल भेजे गए: कोलगवां पुलिस ने मुखबिर की मदद से दोनों आरोपी स्वप्निल यादव निवासी कोलगवां मोहल्ला और सूर्यदेव सिंह बघेल उर्फ राही निवासी सिंधी कैम्प को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से हमले में प्रयुक्त चाकू जब्त कर लिया है। दोनों पर धारा 296, 115(2), 109(3), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

ताम्रकार समाज, सतना द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु महाराज की जयंती मनाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भगवान सहस्त्रबाहु महाराज की जयंती के शुभ अवसर पर आज चाणक्यपुरी कॉलोनी स्थित अनिल ताम्रकार (मौसम) के कार्यालय में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने सम्मिलित होकर उपस्थित सामाजिक जनों को संबोधित किया और महाराज जी के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। महापौर ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान सहस्त्रबाहु महाराज के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और समाज में एकता एवं संगठन को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने सभी से अपील की कि वे महाराज के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाएं।

इस अवसर पर ताम्रकार समाज के अध्यक्ष अनिल ताम्रकार (मौसम) सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रदीप ताम्रकार, पुष्पेंद्र ताम्रकार, नरेंद्र ताम्रकार, अनिरुद्ध ताम्रकार, सतीश ताम्रकार, दिलीप ताम्रकार, रवि ताम्रकार, शुभम ताम्रकार, ओमप्रकाश ताम्रकार, शक्ति ताम्रकार, वंदना, अनिता, ऋतु, दीप्ति, श्रेया, और रश्मि शामिल थे। सभी उपस्थित लोगों ने भगवान सहस्त्रबाहु महाराज जी के आदर्शों पर चलकर समाज में एकता, संगठन और संस्कार को बढ़ाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम ने ताम्रकार समाज के सदस्यों के बीच एकजुटता और सहयोग की भावना को और मजबूत किया।

पूर्व सरपंच हत्याकांड में बाप-बेटे समेत 4 को उम्रकैद, सरकारी जमीन विवाद में 5 साल पहले पीट-पीटकर की थी हत्या

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कैमा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम चौधरी की पीट-पीटकर हत्या के बहुचर्चित मामले में अदालत ने फैसला सुना दिया है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश मानवेन्द्र प्रताप सिंह की अदालत ने मंगलवार को बाप-बेटे समेत चार दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सभी पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। यह हत्या 5 साल पहले सरकारी जमीन के विवाद को लेकर की गई थी।

इन 4 दोषियों को मिली सजा: जिन दोषियों को सजा सुनाई गई है, उनमें कैमा-उन्मूलन निवासी रामकिशोर उर्फ कल्लू चौधरी, उनके बेटे अक्षय चौधरी, रामगरीब चौधरी (पिता चुनकाई चौधरी) और ओमप्रकाश चौधरी (पिता रामकिशोर चौधरी) शामिल हैं। इन सभी को हत्या (धारा 302) के जुर्म में दोषी पाया गया।

सरकारी जमीन को लेकर था विवाद: यह मामला 26 अक्टूबर 2020 का है। अभियोजन के अनुसार, मृतक पुरुषोत्तम चौधरी कैमा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच थे। उनकी मां रैमनिया चौधरी ने पुलिस को बताया था कि पुरुषोत्तम ने अपने कार्यकाल में कैमा की सरकारी जमीन पर हरिजन बस्ती बसाई थी। इसी मामले की जांच के लिए कुछ नेता और अधिकारी गांव आए थे, जिनके साथ पुरुषोत्तम भी गए थे।

घर लौटने पर लाठी-डंडों से किया था हमला: शाम करीब 7 बजे जब पुरुषोत्तम वापस लौटे, तो पड़ोस में रहने वाले गिब्बा चौधरी और कल्लू चौधरी (दोषी) उनके पास आए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरपंच रहते हुए पुरुषोत्तम ने उन्हें सरकारी जमीन नहीं दी और न ही उनका कार्ड बनवाया। इसी बात पर बहस शुरू हुई और आरोपियों ने लाठी-डंडों से पुरुषोत्तम पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव करने आईं उनकी मां रैमनिया चौधरी और रजमनिया चौधरी को भी चोटें लगीं।

इलाज के दौरान हुई थी मौत, लगी हत्या की धारा: घायल पुरुषोत्तम को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया। घटना की सूचना पर कोलगवां थाना पुलिस ने पहले भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया था। हालांकि, 1 नवंबर 2020 को इलाज के दौरान पुरुषोत्तम की मौत हो गई, जिसके बाद पुलिस ने मामले में धारा 302 (हत्या) का इजाफा किया।

कोर्ट ने माना हत्या का दोषी: विवेचना पूरी होने के बाद थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। अदालत ने सुनवाई के दौरान आईपीसी की धारा 302 के तहत अपराध प्रमाणित पाए जाने पर सभी आरोपियों को आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा से दंडित किया है।

महापौर ने सीवर लाइन कार्यों से संबंधित संविदाकारों एवं इंजीनियरों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बैठक के दौरान महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना पुख्ता सुरक्षा प्रबंध और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के किसी भी श्रमिक को सीवरेज चैंबर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारी विशेष निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे।

महापौर ने शेष बचे सीवर कार्यों की शीघ्र पूर्ति और हाउस कनेक्शन कार्यों की प्रगति को लेकर भी विस्तृत चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में के.पी. गुप्ता (ए.ई.), अतुल सिंह, अशोक केवट सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। महापौर ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे कार्यों की प्रगति पर ध्यान दें और सुनिश्चित करें कि सभी कार्य समय पर पूर्ण हों।

कोठी में स्व. राजा उमारमण प्रताप बहादुर सिंह की प्रतिमा का अनावरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के कोठी के सोनौर में स्थित स्व. उमारमण प्रताप बहादुर सिंह महाविद्यालय प्रांगण में स्व. राजा उमारमण प्रताप बहादुर सिंह जी के 132वें अवतरण दिवस के अवसर पर उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया।

इस विशेष अवसर पर मां शारदा शक्ति पीठ मैहर धाम के प्रधान पुजारी परम पूज्यनीय पवन महाराज, मरघट नाथ आश्रम के पीठाधीश्वर रामेश्वरानंद सरस्वती, एवं पूर्व सांसद कुंवर अक्षय प्रताप सिंह ने अपने कर-कमलों से प्रतिमा का अनावरण किया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक, महाविद्यालय परिवार और सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे। सभी उपस्थित लोगों ने स्व. राजा उमारमण प्रताप बहादुर सिंह के योगदान और उनके आदर्शों को याद किया।

प्रतिमा के अनावरण के बाद, कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित की गई और राजा के जीवन पर प्रकाश डाला गया। सभी ने उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

दीक्षा समारोह 2 नवंबर रामजानकी शक्तिपीठ पुरानीलंका

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। देवउठनी एकादशी 2 नवंबर, दिन रविवार को रामजानकी शक्तिपीठ पुरानीलंका आश्रम चित्रकूट में विशाल दीक्षा समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस पावन अवसर पर मां जानकी के दीक्षा अनुयाई सदगुरुदेव से दीक्षा ग्रहण करेंगे।

इस समारोह में अनुयाई बाजुओं में शंख, चक्र और आत्म गुरु मंत्र लेकर आराध्य मार्ग में चलकर उनके अंग-अवयव बनने हेतु प्रेरित होंगे। शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर रामानुजाचार्य श्रीमद जगतगुरु जी महाराज ने इस अवसर को परम पुनीत बताते हुए कहा कि तप ही वह पूंजी है जो व्यक्ति को महान आध्यात्मिक विभूति सम्पन्न बनाती है।

तप ही अंतर्निहित विभूतियों को निखारता है और व्यक्ति को लघु से विराट बना देता है। हमारे आराध्य श्री रामजानकी का तप चित्रकूट के कण-कण में संव्याप्त रहा है।

इस दीक्षा समारोह में कल्पवृक्ष रूपी रामजानकी सिद्धपीठ पर साधक भावभरी आहुति के साथ एकत्रित होकर प्राणवान संकल्प से संकल्पित होंगे। यह अवसर सभी के लिए आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे इस दीक्षा समारोह में शामिल होकर अपने जीवन को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करें। यह समारोह न केवल दीक्षा का है, बल्कि आत्मा की गहराइयों में जाकर अपने आराध्य से जुड़ने का भी है।

सांसद के मुख्यातिथ्य में होगा शपथ ग्रहण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रांतीय कसौधन वैश्य महासभा के संस्थापक एवं आजीवन अध्यक्ष रहे स्व. गोविंद प्रसाद गुप्ता की दसवीं पुण्य तिथि के अवसर पर जिला कसौधन वैश्य समाज द्वारा 30 अक्टूबर गुरुवार को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक इच्छा नवमी व परिवार मिलन समारोह का आयोजन मिलन मैरिज गार्डन सज्जनपुर में किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में नवगठित जिला कसौधन समाज और मंडलों का शपथ ग्रहण समारोह भी होगा। उक्त आशय की जानकारी जिला संयोजक ऋषिकेश गुप्ता ने दी और सभी सामाजिक बंधुओं से कार्यक्रम में समय से उपस्थित होने की अपील की है।

जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता एवं महामंत्री डॉ. संतोष गुप्ता अमिलिया ने बताया कि इस अवसर पर नवगठित जिला इकाई एवं मंडल पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में समाज के संरक्षक, मार्गदर्शक, जिला पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, सहयोजित सदस्य, सभी मंडलों के पदाधिकारी, विशेष आमंत्रित सदस्य, जिला नवयुवक मंडल के संयोजक सदस्य और समाज के प्रबुद्ध जन सहित अन्य सामाजिक बंधु सपरिवार शामिल होंगे।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए सघन प्रयास किये जायेंगे

मैहर में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश में देव उठनी ग्यारस के अवसर पर बाल विवाह होने की संभावना के दृष्टिगत बाल विवाह की रोकथाम के लिए जन जागरूकता के माध्यम से सघन प्रयास किये जायेंगे। देव उठनी ग्यारस के मौके पर इस वर्ष एक और 2 नवम्बर को जन जागरूकता अभियान संचालित कर बाल विवाह रोकने के दिशा-निर्देश राज्य शासन द्वारा जारी किये गये है। कलेक्टर मैहर रानी बाटड की अध्यक्षता में बुधवार को महिला बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला में इस आशय की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर संजना जैन, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम दिव्या पटेल, डॉ. आरती सिंह, एसपी मिश्रा, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे, जिला संयोजक आदिम जाति अरूण शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, सीईओ जनपद एमएल प्रजापति, वेदमणि मिश्रा, अशोक तिवारी, सीएमओ सुषमा मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास मैहर राजेन्द्र बांगरे ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान और बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी देते हुए बताया कि मैहर जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए सूचना दल का गठन, कन्ट्रोल रूम की स्थापना और उडनदस्ता दल भी बनाये गये है। बाल विवाह की रोकथाम के लिए सूचना प्राप्त करने प्रत्येक ग्राम/वार्ड में सूचना दल गठित किया गया है। जिसमें शिक्षक, एएनएम, आशा, स्व सहायता समूह सदस्य, शौर्या के सदस्य, आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिका, मातृ सहयोगिनी समिति के सदस्य, सरपंच, पंच, ग्राम पंचायत सचिव, सक्रिय नागरिक दल के सदस्य होंगे। सूचना दल ग्राम या वार्ड में हो रहे बाल विवाह की सूचना कन्ट्रोल रूम या बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी को तत्काल देंगे।

जिला एवं ब्लाक स्तर पर विशेष विवाह मुहुर्त के पूर्व कन्ट्रोल रूम स्थापित होंगे। जो 24 घण्टे कार्यरत रहेंगे। कन्ट्रोल रूम में सूचना प्राप्त होने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी को तत्काल दी जायेगी। बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी एवं अन्य विभागों के समन्वय से जिला स्तर और परियोजना स्तर पर उडनदस्ते भी गठित किये गये है। जो सामूहिक विवाह स्थलों, वैवाहिक स्थलों का भ्रमण कर बाल विवाह की सूचना पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। सभी सीएमपीओ बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल पर निगरानी रखेंगे और शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही कर पोर्टल अपडेट करेंगे। सभी पंच, सरपंच, सचिव बाल विवाह नहीं देने की शपथ लेंगे और पंचायत में यह शपथ जगह-जगह चस्पा भी करेंगे। इस अवसर पर कलेक्टर रानी बाटड ने सभी उपस्थित अधिकारियों को बाल विवाह के खिलाफशपथ भी दिलाई।

यह होंगे बाल विवाह प्रतिशेध अधिकारी: बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 (पीसीएमए) के अंतर्गत जिला कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास, बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी (सीएमपीओ) नियुक्त किये गये है। जब 18 वर्ष से कम आयु की लडकी या 21 वर्ष से कम आयु के लडके का विवाह किया जाता है तो यह बाल विवाह है।

कार से 5.40 लाख का 36 किलो गांजा जब्त, यूपी का युवक गिरफ्तार; महिला साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोलगवां थाना पुलिस ने सोमवार देर रात कार्रवाई करते हुए 5 लाख 40 हजार रुपए मूल्य का गांजा जब्त किया है। पुलिस ने आईटीआई बसोर बस्ती के पास एक कार से 36 किलो गांजा बरामद कर उत्तर प्रदेश के एक युवक को गिरफ्तार किया है। हालांकि, छापेमारी के दौरान एक महिला अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गई, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। जब्त गांजे की कीमत 5.40 लाख रुपए आंकी गई है।

सूचना पर दी दबिश, कार में मिला गांजा: पुलिस को सोमवार रात आईटीआई बसोर बस्ती के पास गांजा की बड़ी खेप के सौदे की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस ने दबिश दी तो बस्ती के बाहर एक संदिग्ध कार (एमपी 19 सीबी 2803) खड़ी मिली।

महिला अंधेरे में भागी, ड्राइवर पकड़ा गया: पुलिस जीप की आवाज सुनते ही कार की आगे वाली पैसेंजर सीट पर बैठी एक महिला तेजी से बस्ती की ओर भाग निकली। पुलिस ने उसका पीछा किया, लेकिन वह अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रही। सतर्क पुलिसकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ड्राइवर सीट पर बैठे युवक को घेर लिया।

यूपी का रहने वाला है आरोपी: पकड़े गए युवक की पहचान सुनील पुत्र अच्छेलाल बंशकार (20 वर्ष), निवासी लोढउता, थाना बरगढ़, जिला चित्रकूट (यूपी) के रूप में हुई।

पिछली सीट पर बोरी में मिला 36 किलो गांजा: पुलिस ने जब कार की तलाशी ली, तो पिछली सीट पर एक बोरी में 36 किलो गांजा मिला। इसकी अनुमानित कीमत 5 लाख 40 हजार रुपये है।

महिला समेत कई के नाम उगले: पुलिस ने आरोपी सुनील के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे मंगलवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पूछताछ में सुनील ने गांजा तस्करी और बिक्री में चुनटी बंशकार नामक महिला सहित कई अन्य आरोपियों के नाम बताए हैं। पुलिस फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए प्रयास कर रही है। तस्करी में इस्तेमाल की गई 10 लाख रुपये कीमत की कार को भी जब्त कर लिया गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।